संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 234
पृष्ठ 8
गुरूवार
15 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हार्ट अटैक से पहले मिलते हैं...
विचार- जीनोम संपादितः चावल विरासत...
खेल- 26 मई से पहले स्वदेश लौट...

मिलावटखोरी पर योगी सरकार का हंटर

योगी का ऐलान चौराहों पर लगेंगी तस्वीरें, नहीं मिलेगी माफी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य पदार्थों और दवाओं में मिलावट को एक गंभीर सामाजिक अपराध बताया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस तरह के अपराधों में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा विषय है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बिलकुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जो लोग नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य सामग्री के कारोबार में लिप्त हैं, उन्हें सार्वजनिक रूप से चिन्हित किया जाए। उनकी तस्वीरें शहर के प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं ताकि आम जनता उन्हें पहचान सके और समाज में उनके प्रति नकारात्मक संदेश जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की समीक्षा बैठक में यह भी निर्देश दिया कि दूध, पनीर, तेल, घी और मसालों जैसी चीजों की जांच उत्पादन स्थल (फैक्ट्री) पर ही की जाए। दुग्ध उत्पादों की जांच के लिए विशेष टीम बनाई जाए जो नियमित निगरानी रखे। पेशेवर रक्तदाताओं (बार–बार पैसे लेकर रक्त देने वाले लोग) की पहचान की जाए और इस पर भी रोक लगाई जाए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि पहले सिर्फ 6 मंडलों में खाद्य और दवा जांच प्रयोगशालाएं थीं, अब 13 और मंडलों (जैसे कानपुर, मिर्जापुर, अयोध्या, बरेली आदि) में भी प्रयोगशालाएं खोली गई हैं। लखनऊ, गोरखपुर और झांसी की पुरानी लैब को और आधुनिक बनाया गया है। लखनऊ, मेरठ और वाराणसी में माइक्रोबायोलॉजी लैब्स खोली गई हैं, जो वायरस, बैक्टीरिया और दूसरे रोग पैदा करने वाले तत्वों की जांच कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने इन सभी प्रयोगशालाओं के रख–रखाव और संचालन के लिए कॉर्पस फंड (एक स्थायी फंड) बनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी कहा कि नकली दवाओं के कारोबार पर रोक लगाने के लिए एफएसडीए और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए। इस तरह की कार्यवाहियों की प्रभावशीलता और गुणवत्ता पर खास ध्यान दिया जाए। एफएसडीए ने अब बारकोड और पासवर्ड–संरक्षित सिस्टम शुरू किया है ताकि खाद्य और दवा के नमूनों की जांच पूरी तरह गोपनीय रहे। हर सैंपल की जांच डिजिटल तरीके से वैज्ञानिक करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों की मंजूरी के बाद ही रिपोर्ट को मान्यता मिलेगी। जनता के लिए मोबाइल ऐप और टोल फ्री नंबर अब आम लोग भी शिकायत कर सकते हैं। 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' नामक मोबाइल ऐप से टोल फ्री नंबर 1800–180–5533 पर कॉल करके मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक शिकायतकर्ता खुद संतुष्ट न हो, तब तक शिकायत का समाधान पूरा नहीं माना जाएगा। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि पिछले 3 वर्षों में 1,470 करोड़ के निवेश प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इससे 3,340 लोगों को सीधा रोजगार मिला है। सिर्फ फुटकर दवा दुकानों में ही 65,000 से ज्यादा नई नौकरियां बनी हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि थ्वै। में खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए, ताकि विभाग और ज्यादा मजबूत हो।

सीडीएस चौहान, तीनों सेना प्रमुख राष्ट्रपति मुर्मु से मिले

नयी दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इन शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों, उनके अड्डों और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों के अभियान– ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने इस बारे में सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा," राष्ट्रपति को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी गयी।" इस पोस्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की सराहना की, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के जवाब को शानदार सफलता बना दिया। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आदेश के अनुसार यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय कुमार का कार्यकाल उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से शुरू होगा। उनकी नियुक्ति की अवधि संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगी और सेवा की शर्तें समय–समय पर संशोधित यूपीएससी (सदस्य) विनियम, 1969 द्वारा शासित होंगी। उल्लेखनीय है कि श्री अजय कुमार ने वर्ष 2019 से 2022 तक रक्षा सचिव के रूप में काम किया था।

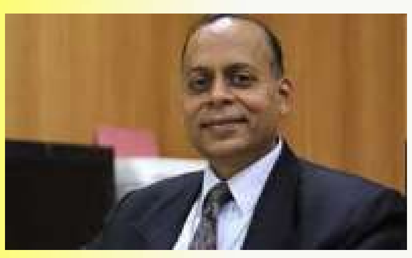

उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगी सेमी कंडक्टर यूनिट

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने उत्तर प्रदेश के जेवर में देश की छठी सेमी कंडक्टर इकाई की स्थापना करने का फैसला किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि करीब 3706 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित होने वाली इस इकाई में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह इकाई एचसीएल और फोक्सकॉन के सहयोग से स्थापित की जाएगी और इसमें डिस्प्ले ड्राइव का निर्माण किया जाएगा। इसकी क्षमता हर माह 3.6 करोड़ माइक्रो चिप्स की होगी।

उत्तराखंड के जनजातीय छात्रों द्वारा जम्मू कश्मीर में बलिदान हुए दीपक को श्रद्धांजलि

देहरादून, एजेंसी। झाझरा स्थित जनजातीय विद्यालय दून संस्कृति स्कूल के छात्रों ने बीएसएफ के बलिदानी सैनिक दीपक छींकखाम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सांसद और उत्तराखंड युद्ध स्मारक शौर्य स्थल के संस्थापक अध्यक्ष तरुण विजय ने इस अवसर पर कहा कि बलिदानी दीपक ने भारत माता के लिए बलिदान दिया और हम सबका कर्तव्य है कि उनके लिए प्रार्थना करें तथा अधिकतम युवाओं को सेना में भर्ती होने की प्रेरणा दें। मणिपुर, अरुणाचल, असम नागालैंड, और उत्तराखंड के धारचूला से आए जनजातीय छात्रों ने बलिदानी दीपक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के निदेशक ऋत्विक विजय ने छात्रों को बलिदानी सैनिक दीपक के जीवन का परिचय दिया जो जम्मू कश्मीर में पाकिस्तानी हमले में प्राण न्योछावर कर अमर हो गए।

न्यायमूर्ति गवई बने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

नयी दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को यहां उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह इस वर्ष 23 नवंबर तक इस पद पर रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलायी। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है जो कल मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो गये। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे पी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश और कुछ पूर्व न्यायाधीश समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी, मां तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपनी मां के पैर छुए। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर न्यायमूर्ति गवई को मुख्य न्यायाधीश बनाने की सरकार से सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल है। न्यायमूर्ति गवई का मुख्य न्यायाधीश बनना शीर्ष अदालत के इतिहास में मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वह पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद इस पद पर पहुंचने वाले अनुसूचित जाति समुदाय से दूसरे व्यक्ति हैं। न्यायमूर्ति गवाई जाने –माने राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद एवं कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आर एस गवई के पुत्र हैं। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बी.ए., एलएलबी करने के बाद 16 मार्च, 1985 से वकालत शुरू की थी। उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। उसके बाद बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में वकालत की। वह 14 नवंबर, 2003 को बॉम्ब उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश और 12 नवंबर, 2005 को स्थायी न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ–साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की अध्यक्षता की है। वह शीर्ष अदालत में कई मामलों में संवैधानिक पीठ का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण के मामले शामिल थे। उन्होंने अनुसूचित जाति / जनजाति के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुरजोर वकालत की थी।

आंध्र में सिंचाई टैंक में डूबे पांच बच्चे

कडप्पा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में ब्रह्ममगरी मट्टम मंडल के मल्लेपल्ली गांव में सिंचाई टैंक में पांच बच्चे डूब गए हैं। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजेंद्र प्रसाद ने मीडिया को बताया कि मृतक बच्चे चरण (15), पार्थसारथी (12), हर्षवर्धन (12), दीक्षित (12) और थारुण यादव (12) मंगलवार रात नहाने के लिए सिंचाई टैंक में उतरे और डूब गए। उन्होंने बताया कि माता–पिता और रिश्तेदारों ने बच्चों की तलाश की और आखिरकार सिंचाई टैंक के किनारे उनके कपड़े मिले। पुलिस ने बच्चों के शवों को टैंक में खोजने के लिए विशेषज्ञ तैराकों को लगाया। इसके बाद सभी पांच शवों को सिंचाई टैंक से निकाल लिया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए प्रोड्डातुर के जीजीएच में भेज दिया गया। पांच बच्चों की मौत से मल्लेपल्ली गांव में मातम छाया हुआ है। मृतक बच्चों के रिश्तेदारों ने मीडिया को बताया कि मृतक अपने दादा–दादी के साथ छुट्टियां बिताने गांव आए थे। क्षेत्रीय निरीक्षक के. रमना रेड्डी, उप निरीक्षक शिव प्रसाद और विनोद कुमार तथा जिला अग्निशमन अधिकारियों ने गांव और सिंचाई टैंक का दौरा किया।

भुज एयरबेस का दौरा करेंगे राजनाथ सिंह, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हो रहा दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भुज एयरबेस का दौरा करेंगे। वे शुक्रवार को भुज पहुंचेंगे। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री शुक्रवार और शनिवार को दो दिनों के लिए गुजरात में भारत–पाकिस्तान सीमा का दौरा करेंगे। उनके साथ पश्चिमी वायु कमान प्रमुख भी होंगे। अपनी यात्रा के दौरान, सिंह क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों का मूल्यांकन करेंगे तथा पाकिस्तान की हाल की असफल ड्रोन घुसपैठों के बाद मजबूत किए गए सुरक्षा उपायों

की प्रभावशीलता की जांच करेंगे। सैन्य तनाव के बीच, पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन का उपयोग करके भारत के भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया। हालांकि, भारत के सुरक्षा बलों ने वायु रक्षा प्रणालियों की सहायता से पाकिस्तान के बार–बार हमलों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। आखिरकार, लगातार सैन्य असफलताओं का सामना करने और कोई सफलता न मिलने के बाद, पाकिस्तान ने युद्धविराम की घोषणा की। भुज रुद्र माता वायु सेना स्टेशन भुज में स्थित भारतीय वायु सेना का एक प्रमुख प्रतिष्ठान है। स्टेशन नागरिक भुज हवाई अड्डे के साथ अपना रनवे साझा करता है और दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (SWAC) के तहत कार्य करता है। भुज वायु सेना स्टेशन, जिसमें 27 विंग है, भारत–पाकिस्तान सीमा से निकटता के कारण वायु रक्षा और निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयर बेस का दौरा किया। आदमपुर एयर बेस के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को वायुसेना के अधिकारियों ने जानकारी दी और ऑपरेशन में शामिल कर्मियों से बातचीत की।

वर्षो की शांति के बाद सीमावर्ती इलाकों में फिर चर्चा में आया बंकर, उमर अब्दुल्ला का बयान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई भीषण गोलाबारी के बाद बंकर एक बार फिर जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में चर्चा का मुख्य विषय बन गए हैं। इस गोलाबारी में जान–माल का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बारामुल्ला जिले के उरी के दौरे के दौरान जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित इलाकों की स्थिति की समीक्षा की और स्थानीय लोगों के लिए ऐसे सुरक्षात्मक ढांचों की जरूरत पर ध्यान दिया, जिनकी जरूरत पिछले कुछ सालों में कम होती जा रही थी, लेकिन हाल ही में हिंसा बढ़ने के बाद यह जरूरत कम होती जा रही थी। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने निवासियों की मांगों के अनुरूप उन्हें व्यक्तिगत बंकर उपलब्ध कराने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ष्बंकर अब फिर से चर्चा का विषय बन गए हैं। कई

वर्षों तक हमें बंकरों की जरूरत नहीं थी। अब लोगों ने सामुदायिक बंकरों की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत बंकरों की मांग की है। हम गोलाबारी से प्रभावित सभी क्षेत्र'' जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि गोलाबारी के बाद उरी, तंगधार, राजौरी और पुंछ में भी यही स्थिति है और कहा कि स्थानों के आकलन के बाद लोगों को मुआवजा दिया जाएगा।

कर्नल सोफिया पर एमपी सरकार के मंत्री की आपत्तिजनक टिप्पणी, विवाद के बाद मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर कुछ ऐसा बयान दिया जिससे विवाद शुरू हो गया है। भाजपा नेता और आदिवासी कल्याण मंत्री विजय शाह ने एक सार्वजनिक भाषण के दौरान विवादास्पद टिप्पणी की, जिसके बाद विपक्षी दलों और सैन्य दिग्गजों ने उनकी कड़ी आलोचना की। इंदौर के निकट एक सभा में शाह द्वारा दिए गए भाषण में, उन्होंने कर्नल कुरैशी की सैन्य भूमिका को पाकिस्तान और उसके लोगों के लिए सांप्रदायिक और लैंगिक अपमान के बराबर बताया। कांग्रेस ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है, जबकि शाह ने कई बार माफ़ी मांगकर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया है। वायरल वीडियो सोमवार का

बताया जा रहा है, जिसमें राज्य के आदिम जाति कल्याण मंत्री शाह यह कहते हुए सुने जा रहे हैं, "जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, उन्हीं कटे–पिटे लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी–तैसी करवाई।" वह यह कहते सुने जा रहे हैं, "उन्होंने कपड़े उतार–उतारकर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी–तैसी करने के लिए हमारे जहाज से उनके घर भेजा।" हालांकि, शाह ने पूरे वीडियो में किसी का नाम नहीं लिया है। कांग्रेस ने मांग की कि शाह को मंत्रिमंडल से फौरन बर्खास्त किया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने वाले शाह को तत्काल बर्खास्त किया जाना

● भाजपा पर हमलावर हुई कांग्रेस

चाहिए। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा की मध्यप्रदेश सरकार के एक मंत्री ने हमारी वीर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में बेहद अपमानजनक, शर्मनाक और ओछी टिप्पणी की है। पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकी देश को बांटना चाहते थे, पर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरे 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश एकजुट था।'' कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शाह का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि भाजपा तुरंत यह बताए कि क्या वह विजय शाह की "घटिया सोच" से सहमत है?

कार्यभार ग्रहण न करने वाले शिक्षकों की पदोन्नति निरस्त करने की मांग

प्रयागराज। राजकीय शिक्षक संघ ने पदोन्नति के बाद 28 मार्च को पदस्थापित राजकीय विद्यालयों के सहायक अध्यापकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति निरस्त करने की मांग की है। शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) अजय कुार द्विवेदी को भेजे पत्र में लिखा है कि पुरुषा शाखा से 91 और

महिला शाखा से 283 शिक्षकों को 28 मार्च को पदस्थापित किया था। नियमतरू इन शिक्षकों को एक महीने के अंदर पदस्थापित विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करना था। संयुक्त शिक्षा निदेशक (मंडलीय) को स्पष्ट निर्देश है कि 30 दिन के अंदर पदोन्नति प्राप्त शिक्षक/ प्रवक्ताओं (पुरुष/महिला) से असहमति का शपथपत्र प्राप्त कर अपनी संस्तुति सहित शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को पदस्थापन आदेश की तिथि से 30 दिन के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद पांडेय और महामंत्री अरुण कुमार यादव ने अनुरोध किया है कि 28 अप्रैल तक कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले शिक्षकों की पदोन्नति तुरन्त निरस्त करते हुए दूसरे शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ प्रदान करने की कृपा करें।

लोकरंजन महोत्सव में शामिल होंगे डॉ. विष्णु सक्सेना

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हंसवाहिनी संस्था की ओर से 17 मई को लोकरंजन महोत्सव का आयोजन आर्य कन्या इंटर कॉलेज के परिसर में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत कवि शैलेंद्र मधुर के गीत संग्रह का लोकार्पण व समाज में उल्लेखनीय कार्यों के लिए विभिन्न क्षेत्रों की एक दर्जन विभूतियों को हंसवाहिनी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी होगा, जिसमें हाथरस से प्रख्यात कवि डॉ. विष्णु सक्सेना, उज्जैन के दिनेश दिग्गज, सिवान से सुनील कुमार तंग व नई दिल्ली उपेंद्र पांडेय जैसी शख्सियतें शामिल होंगी। संस्था की सचिव डॉ. आभा श्रीवास्तव ने बताया कि महोत्सव के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रहेंगे।

एडी हेल्थ कार्यालय में पुलिस भर्ती को मेडिकल शुरू

प्रयागराज। यूपी पुलिस की 60 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत मंगलवार से सिविल लाइंस स्थित अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कार्यालय में मेडिकल परीक्षण शुरू हुआ। मंडलीय चिकित्सा बोर्ड के समक्ष प्रयागराज के अलावा

प्रतापगढ़, कौशाम्बी व फतेहपुर के अभ्यर्थी उपस्थित हुए। मेडिकल परीक्षण में भाग लेने के लिए सुबह सात बजे से ही अभ्यर्थी अपने अभिभावकों के साथ निदेशक के कार्यालय में पहुंचने लगे। कार्यालय परसिर में बनाए गए अस्थायी सभागार में एकत्रित हुए अभ्यर्थियों को क्रम से मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित हुए। मेडिकल कराने के बाद एक अभ्यर्थी ने बताया कि बोर्ड में छह-सात डॉक्टर मौजूद थे। मेडिकल के आए अभ्यर्थियों के परिजनों की भीड़ कार्यालय से लेकर हनुमान मंदिर तक लगी रही।

15 दिन के भीतर ऋण का निस्तारण करेंगे बैंक

प्रयागराज। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत बचे ऋण आवेदनों का निस्तारण बैंक 15 दिन के भीतर करेंगे। सीडीओ ने सभी बैंकों को निस्तारण कर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा है। मंगलवार को सीडीओ हर्षिका सिंह ने कलक्ट्रेट जन मिलन सभागार कक्ष में योजना की समीक्षा की तो योजना के समन्वयक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ही 423 आवेदनों में केवल 13 ऋण स्वीकृत किए थे। सभी बैंकों की स्थिति बेहद खराब पाई गई। सीडीओ ने बैंकर्स को अंतिम चेतावनी दी कि अनावश्यक न तो आवेदन निरस्त करें और न ही ऋण स्वीकृत करने में अधिक समय लगाएं। स्थिति में सुधार न होने पर कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा। बुधवार को सीडीओ ने एलडीएम को पत्र भेजकर सभी बैंकों को 15 दिन के भीतर ऋण के लिए बचे आवेदनों का निस्तारण करने के लिए कहा है।

अनन्या बनीं गर्ल्स हाईस्कूल की हेड गर्ल

प्रयागराज। शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए गर्ल्स हाईस्कूल एंड कॉलेज के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीसीपी (सिटी) अभिषेक भारती ने हेड गर्ल अनन्या समेत सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। छात्रा पदाधिकारियों ने जीएचएस के मानकों को बनाए रखने की शपथ ली और वादा किया कि वे जिस पद के लिए चुनी गईं हैं, उसे ईमानदारी से निभाएंगी और अपनी पूरी क्षमता के साथ सहयोग में काम करेंगी। मुख्य अतिथि ने नेतृत्व, अनुशासन और टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया। प्रिंसिपल डॉ. विनीता यूसेबियस ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को स्कूल के मूल्यों और लोकाचार को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उन्हें बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और विनम्र रहने के लिए प्रेरित किया।

संगम से मंदिरों तक जाने के लिए नहीं होंगे परेशान, बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए गोल्फ कार्ट सेवा जल्द

प्रयागराज। देश के कोने-कोने से प्रयागराज, संगम आने वाले बुजुर्ग श्रद्धालुओं को अब संगम स्नान के बाद आसपास के मंदिरों में जाने के लिए पैदल नहीं चलना होगा। जल्द ही यहां पर गोल्फ कार्ट सेवा शुरू की जाएगी। प्रयागराज मेला प्राधिकरण जल्द ही इस सेवा को शुरू करेगा। मेला क्षेत्र पार्किंग से श्रद्धालुओं को इस सेवा से सेवा से अक्षयवट, बड़े हनुमान मंदिर, शंकर विमान मंडपम, अलोप शंकरी मंदिर और मनकामेश्वर मंदिर जैसी जगह ले जाया जाएगा। दरअसल महाकुम्भ के बाद प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गई है। इसमें अधिकांश श्रद्धालु बुजुर्ग हैं और कुछेक दिव्यांग होते हैं।

संगम तक किसी प्रकार आने के बाद मंदिरों तक जाने में इन लोगों को काफी परेशानी होती है। कई बार साधन पकड़ने पर वो महंगे होते हैं और कई किलोमीटर तक पैदल भी चलना पड़ता है। इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने गोल्फ कार्ट सेवा के लिए टेंडर आमंत्रित किया है। 15 मई तक आवेदन की आखिरी तारीख रखी गई है। जिसके बाद टेंडर खुलेगा। इस गोल्फ कार्ट में ड्राइवर

सहित आठ श्रद्धालु बैठ सकेंगे। करार एक साल के लिए होगा।

20 गोल्फ कार्ट लगाए जाएंगे

इस सेवा के तहत 20 गोल्फ कार्ट लगाए जाएंगे। जारी किए गए टेंडर में स्पष्ट किया गया है कि ई रिक्शा और श्रीव्हीलर टेंपो को गोल्फ कार्ट के तहत नहीं माना जाएगा। 25 मई तक इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए जगह देगा। मेलाधिकारी, विजय किरन आनंद ने कहा कि गोल्फ कार्ट और हॉपऑन सेवा के लिए टेंडर आमंत्रित किया गया है। प्रयागराज में पर्यटन को बढ़ाने के लिए दोनों ही सेवाएं अब आवश्यक हैं। हमारा प्रयास है कि यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुविधाजनक तरीके से दर्शन कराया जा सके।

स्टेशन से शुरू होगी हॉप ऑन सर्विस

इसके साथ ही प्रयागराज जंक्शन और बस अड्डे से एसी बस की हॉपऑन सर्विस भी शुरू की जाएगी। प्रयागराज में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए इसके लिए भी टेंडर आमंत्रित किया गया है। 15 मई को इसकी तकनीकी बिड खुलेगी। इस सेवा के तहत प्रयागराज जंक्शन और बस अड्डों से संगम, द्वादश माधव मंदिर, शिव-शक्ति पीठ का दर्शन कराया जाएगा। अफसरों का कहना है कि योजना की सफलता के बाद करीब के जिलों के लिए धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने के लिए भी इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। जिसमें काशी विश्वनाथ मंदिर, विध्यवासिनि धाम विंध्याचल, कामतगिरि चित्रकूट, बेल्हा देवी मंदिर प्रतापगढ़ और कड़े धाम कौशाम्बी को इसमें शामिल किया जाएगा।

बढ़ती गर्मी में खूंखार हो रहे कुत्ते, रहें सावधान

प्रयागराज। बढ़ती गर्मी के कारण कुत्ते खुंखार हो रहे हैं। शहर के बेली व कॉल्विन में शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र से लोग एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं।

बेली अस्पताल में अप्रैल में रोजाना औसत 130 और कॉल्विन में 115 लोगों के एंटी-रैबीज इंजेक्शन लगवाने ओपीडी में आए। पशु चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अजय कुमार बरनवाल ने बताया कि कुत्तों में पसीना निकलने वाला ग्रंथि नहीं होती है, जिसके कारण उसका शरीर और भी अधिक गर्म हो जाता है।

इन्हें तापमान नियंत्रित

होना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इसलिए जीभ निकालकर गर्मी को दूर का उपाय करते हैं। जमीन गर्म होने से कुत्तों के पैर का तलवा भी जलता है और पैर में छाले पड़ जाते हैं। कॉर्टिसोल हारमोंस के कारण उनका व्यवहार बदल जाता है।

आयकर धारा 247 स्वतंत्रता पर हमला, आयकर अधिकारियों की मनमानी में होगा भारी इजाफा, इस धारा के फालतू अधिकारों में कटौती करे सरकार: बनवारी लाल कंछल

मुज़फ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व सांसद बनवारी लाल कंछल का जनपद मुज़फ्फरनगर में आगमन होने पर भव्य स्वागत किया गया। इनके साथ पधारे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री नवीन मक्कड़ का भी जोरदार स्वागत किया गया स दोनों पदाधिकारियों का जिले एवं नगर कार्यकारिणी की ओर से पगड़ी एवं पटका पहनाकर सम्मान किया गया।

मुजफ्फरनगर शहर के रुड़की रोड स्थित ग्रीन एप्पल होटल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की से जुड़े पदाधिकारी की बैठक में पहुंचे प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल एवं वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री नवीन मक्कड़ ने सभी पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनकी हौसला अफजाई की।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल, प्रांतीय वरिष्ठ महामंत्री नवीन मक्कड़, ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आयकर विभाग ने 1 अप्रैल 2006 को व्यर्चुअल डिजीटल स्पेस (बी.डी.एस.) की नई परिभाषा चिंताजनक है और आयकरदाताओं की स्वतंत्रता के खिलाफ है। सरकार ने इस धारा में आयकर विभाग को आयकरदाता के सोशल मीडिया एकाउंट, निजी ईमेल, बैंक एकाउंट, आनलाइन निवेश एकाउंट, ट्रेडिंग एकाउंट एवं अन्य सभी चीजों को देखने का कानूनी अधिकार दिया है। यह अधिकार आयकरदाताओं की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। सरकार अगर आयकर छूट 12 लाख तक न देना चाहे तो न दे, हमें ऐसी किसी भी छूट की जरूरत नहीं है जो हमारी स्वतंत्रता में बाधक बने।

प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह आयकरदाताओं का प्रत्येक जनपद, तहसील में सम्मान कार्यक्रम करें। परन्तु वह ऐसा ना करके अपने अधिकारियों को आयकरदाताओं के जीवन में ताकझांक करने की खुली छूट दे रहीं है। इसकी जितनी भी निंदा की जाये कम है। प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल ने केन्द्र सरकार के आयकर विभाग से अनुरोध किया है कि सरकार को चाहिए कि धारा 247 से आयकर विभाग को दिये इन सभी अधिकारों को खत्म करे। जब आयकरदाता स्वेच्छा से आयकर दे रहा है और इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है फिर ऐसे अधिकार देना अधिकारियों की मनमानी को बढ़ावा देना है। इन अधिकारों को देने से अब एक-एक आयकर अधिकारी व्यापारियों को ब्लैकमेल करने का कार्य करेगा। उनको नाहक परेशान करेगा। भारत के स्वतंत्र आयकरदाता इन अधिकारियों के गुलाम बनकर रह जायेंगे।

प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल ने कहा कि मैं केन्द्र सरकार के वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से पुरजोर अपील करता हूं कि आयकर की धारा 247 में दिये गये अधिकारों को समाप्त करने की कृपा करें।

प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल ने आज दिनांक 14 मई 2025 को जनपद मुजफ्फरनगर की कमेटी की समीक्षा की और जिलाध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह को हर तहसील, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में व्यापार मण्डल की नई कमेटियां गठन करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि श्री बनवारी लाल कंछल जी उत्तर प्रदेश के सबसे वरिष्ठ व्यापारी नेता है पिछले 52 सालों से यह संगठन व्यापारी हितों की रक्षार्त कार्य करता आ रहा है स इस समय प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल जी एवं वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री नवीन मक्कड़ जी संगठन से जुड़े पदाधिकारियों से मुलाकात करने आए थे स अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि शीघ्र ही पदाधिकारियों का एक शपथ ग्रहण समारोह जनपद में बड़े स्तर पर आहूत किया जाएगा उन्होंने कहा कि जनपद के किसी भी व्यापारी को यदि कोई समस्या होती है तो वह उनसे संपर्क कर सकता है उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल जनपद के सभी व्यापारियों के साथ मजबूती के साथ खड़ा है।

नगर अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल मुजफ्फरनगर जनपद के सभी व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती के साथ उठाएगा एवं व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आज की बैठक में अरुण प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष विकास अग्रवाल नगर अध्यक्ष कार्तिक जौहरी युवा नगर अध्यक्ष विनोद कुमार बुढ़ाना तहसील अध्यक्ष कपिल कुमार विधिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष निखिल मित्तल जिला महामंत्री अमित गोयल जिला कोषाध्यक्ष मनीष बंसल नगर महामंत्री कुशाग्र शर्मा नगर कोषाध्यक्ष विशाल मित्तल वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश मलिक जिला उपाध्यक्ष सरवन अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष राकेश बलिया जिला उपाध्यक्ष अमित सिंघल जिला सचिव मनोज पाटिल जिला सचिव पवन मित्तल जिला सचिव रण सिंह चौहान जिला मंत्री अनमोल जिंदल जिला मंत्री दिनेश त्यागी जिला मंत्री अंकुर गुप्ता नगर उपाध्यक्ष सुबोध दीक्षित नगर उपाध्यक्ष आवेश चौधरी नगर मंत्री हेमंत ग्रोवर नगर मंत्री अनुज आर्य नगर प्रचार मंत्री अंकुर जैन नगर प्रचार मंत्री अमित गुप्ता नगर सचिव अनुराग जैन नगर सचिव मयंक अग्रवाल नगर सचिव डा आदेश संगल नगर मंत्री सतीश कौशिक नगर मीडिया प्रभारी डॉ रमेश पंचल शहाबुद्दीन पुर रोड अध्यक्ष मनोज पाल रुड़की रोड अध्यक्ष अजय गुप्ता अंसारी रोड अध्यक्ष संदीप जी भगत सिंह रोड अध्यक्ष विपिन गुप्ता सिसौली नगर पंचायत अध्यक्ष एवं शिवम तायल नगर विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष भरत सिंह राज मार्केट अध्यक्ष आदि सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

सजावटी गमलों के सूख गए पौधे, बने कूड़ेदान

प्रयागराज। भीषण गर्मी के कारण शहर के कई स्थानों पर प्लास्टिक के सफेद गमलों में पौधे सूख गए। महाकुम्भ के दौरान यह गमले उद्यान विभाग की ओर से मंगाए गए थे। गमलों में लगे पौधे सूख जाने के कारण लोगों ने गमलों को कूड़ादान बना लिया है। दुकानदार ही नहीं

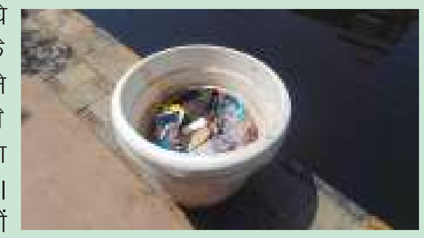

बल्कि राहगीर भी खाली पड़े गमलों में कूड़ा डालते हैं। सिविल लाइंस के हनुमत निकेतन से लेकर मेडिकल चौराहा तक सड़क के दोनों ओर लगभग 80 प्लास्टिक के गमले रखे गए हैं, जिसमें 20 गमलों के पौधे पूरी तरह से सूख जाने के कारण अब कूड़ा रखने के काम आ रहे हैं। खाली पड़े गमलों को अब चोरी की संभावना बढ़ गयी है। गमलों के पौधे सबसे ज्यादा 15 अप्रैल से पांच मई के बीच सूखे हैं।

उप्र नागरिक सुरक्षा प्रयागराज द्वारा लूकरगंज प्रखंड के खालसा गर्ल्स कॉलेज में देश व जीवन रक्षा हेतु मॉक ड्रिल/सुरक्षा अभ्यास प्रशिक्षण संपन्न

प्रयागराज। नागरिक सुरक्षा के नियंत्रक व उप नियंत्रक के निर्देशानुसार प्रातः 9रू00 बजे गुरु तेग बहादुर सिंह खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज खुल्दाबाद के प्रांगण में युद्धकाल के दौरान हवाई हमले से बचाव व प्राथमिक चिकित्सा का एक मॉक ड्रिल अभ्यास एवं प्रशिक्षण का आयोजन हुआ, जिसमें स्टाफ ऑफिसर पूनम गुप्ता, सेक्टर वार्डन रीना साहू के निर्देशन में सक्रिय नारी शक्ति वार्डन द्वारा इस अभ्यास, प्रदर्शन व मॉकड्रिल का कार्यक्रम संपन्न हुआ। लूकरगंज प्रखंड के अन्य प्रशिक्षित वार्डन भी इस मॉक ड्रिल में आए एवं प्रदर्शन को सफल एवं प्रभावशाली बनाने में अपनी सक्रियता प्रतिभा एवं ज्ञान का प्रदर्शन भी किया।

आज के कार्यक्रम का संचालन प्रबोध मानस पोस्ट वार्डन ने किया सर्वप्रथम कॉलेज के प्रबंधक सरदार परमजीत सिंह और

प्रधानाचार्या अलका खुराना ने सिविल डिफेंस के समस्त वार्डन का स्वागत किया।अग्निशमन विभाग के उप निरीक्षक अवध नारायण ने आग के बचाव के बारे में जानकारी दी।चौकी इंचार्ज लूकरगंज थाना खुल्दाबाद के द्वारा स्कूल में नागरिकों को आपदा से बचाव के बारे में जानकारी उप निरीक्षक बनवारी लाल ने दिया। स्वास्थ्य विभाग से डॉ रोबिन साहू जी ने सी पी आर व स्वास्थ के बारे में अच्छी जानकारी दी। इसके पश्चात सिविल डिफेंस प्रयागराज के चीफ वार्डन अनिल कुमार गुप्ता ने युद्धकाल में हवाई हमले से बचाव के विभिन्न पहलुओं की पूर्ण जानकारी उपस्थित छात्राओं को प्रदान किया एवं संकट की घड़ी में स्वयं को सुरक्षित रखकर अन्य नागरिकों को हम कैसे सुरक्षित रखें इसकी पूरी जानकारी दी।प्रखंड के डिवीजनल वार्डन राजीव भनोट ने भी छात्राओं को हवाई हमले से बचाव की अच्छी जानकारी से अवगत कराया। डिवीजनल वार्डन रिजर्व रौनक गुप्ता ने भी अपने मुखार बिंदु से मॉक ड्रिल एवं आपदा के बारे में बताया और सिविल लाइंस प्रखंड से आए महेंद्र सक्सेना ने बच्चों को आपदा के समय सैयम व धैर्य से काम लेने को कहा। राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए मीडिया को बताया कि सुरक्षा का ऐसा कार्यक्रम देश के सभी विद्यालयों में आयोजित किया जाना चाहिए। वहां पर उपस्थित विशिष्ट जनों में, सरदार सत्येंद्र सिंह आईसीयू, सुरेंद्र यादव आईसीयू, चंद्रपाल यादव स्टाफ ऑफिसर, दीनदयाल अग्रवाल, रोहित विश्वकर्मा, राजेश वर्मा, रेनू श्रीवास्तव, आंचल रहिया, कृष्णा रिया, कल्पना केसरवानी, कमलेश, अर्चन वर्मा, आदित्य प्रताप चौहान, आदि वार्डन एवं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के महासचिव सरदार दिलजीत सिंह, उषा सिंह, कृपा शंकर प्रजापति, इफ्तेखार खान, दिनेश सिंह आदि रहे।

आईआईटी रुड़की की टीम तय करेगी यमुना में कहां बनेगा रेल पुल

प्रयागराज। पीयूष श्रीवास्तव यमुना में प्रस्तावित नए रेल पुल की सही जगह तय करने की जिम्मेदारी आईआईटी रुड़की की विशेषज्ञ टीम को सौंपी गई है। रुड़की की टीम यह भी जांचेगी कि कहीं नया पुल बनने से 160 साल पुराने मौजूदा पुल को कोई खतरा तो नहीं होगा। इसके बाद नए पुल का निर्माण कार्य शुरू होगा। नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर तीसरी लाइन का काम चल रहा है। मुंबई रूट के लिए भी तीसरी लाइन का बजट पास हो चुका है। छिवकी से प्रयागराज जंक्शन आने के लिए यमुना पर सिर्फ एक रेल पुल है, जो कि 160 साल पुराना है।

इस पुल के पास ही यमुना पर नया रेल पुल बनाने के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज मंडल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और पुल निर्माण के लिए बजट भी स्वीकृत कर दिया है। अब नए पुल के लिए सर्वे कार्य शुरू हो गया है। प्रस्तावित पुल जीवन ज्योति अस्पताल के पास से शुरू होकर ईसीसी के बगल से शुआट्स तक जाएगा। इस पुल के लिए सर्वे तेजी हो रहा है। लेकिन उसके पहले यमुना में रेलवे पुल का पिलर कहां पर स्थापित होगा, इसकी जांच के लिए एक्सपर्ट आएंगे। रेलवे ने यह जिम्मेदारी आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों को दी है। 2031 में प्रयागराज में प्रस्तावित कुम्भ मेले से पहले इस पुल को तैयार करने का लक्ष्य है। प्रयागराज-मुंबई रेल मार्ग पर तीसरी लाइन के लिए यह पुल अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए रेलवे इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करना चाहता है।

बाबा विश्वनाथ सेवा परिवार द्वारा बड़े मंगल पर शरबत वितरण किया गया

प्रयागराज।ज्येष्ठ माह के बड़े प्रथम मंगलबार के अवसर पर बाबा विश्वनाथ सेवा परिवार द्वारा शरबत वितरण का आयोजन किया गया बाबा विश्वनाथ ज्वैलर्स कीडगंज प्रयागराज में कार्यक्रम अनवरत चलता रहा जिसमें संस्था के पदाधिकारीगण अभिषेक सिंह, अभिषेक शुक्ला, सुनीता वर्मा, संजय कुशवाहा, रंजीत कुमार यादव, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मुकेश कुमार यादव, धीरेन्द्र कुमार सिंह आदि लोगों ने शरबत पिलाकर जनमानस की सेवा की।

कार्यशाला का आयोजन

मुजफ्फरनगर। बी.टेक प्रथम वर्ष विभाग ने 'प्रोटोटाइप – प्रक्रिया, डिज़ाइन और विकास' विषय पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि श्री अंकित देव अर्पण (साइबर वकील और फ्रीलांसर,) कार्यवाहक निदेशक इंजीनियर अली अकबर, बी.टेक प्रथम वर्ष के प्रमुख, एएसएच विभाग के प्रमुख डॉ. विवेक तोमर और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित थे। श्री अंकित देव अर्पण ने प्रोटोटाइप डिजाइन और विकास पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने जटिल अवधारणाओं को सरल और समझने योग्य तरीके से समझाया। मिस प्रार्थना ने कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संचालित किया, जिससे कार्यक्रम का प्रवाह सुनिश्चित हुआ।

कार्यशाला का समापन मिस आरजू मलिक और इंजीनियर अली अकबर द्वारा मुख्य अतिथि को एक पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। एएसएच विभाग के प्रमुख डॉ. विवेक तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सफलता बी.टेक संकाय के सामूहिक प्रयासों का परिणाम थी,जिसमें मिस शिवानी अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

चीनी मिल में गन्ना डालने गये किसान के साथ मारपीट

भोपा। मोरना चीनी मिल मे गन्ना डालने के लिए कतार मे खड़े कादीपुर गाँव निवासी किसान के साथ दूसरे गांव के किसान व उसके पुत्र तथा भतीजे द्वारा मारपीट की गयी। पीड़ित ने तीनो आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव कादीपुर निवासी किसान सौरभ तोमर ने बताया कि बीते 12 मई में की रात वह मोरना चीनी मिल में गन्ना डालने गया था।और टोकन लेकर लाइन मे लगा हुआ था की तभी वहां पर गांव अथाई निवासी पिन्टू शर्मा ट्रेक्टर ट्रॉली लेकर आया और बिना टोकन लिये ही सौरभ तोमर के आगे ट्रेक्टर ट्रॉली आगे खड़ी कर दी। ऐसा करने से रोकने पर आरोपी ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की तथा फोन कर अपने पुत्र व भतीजे को भी बुला लिया। जहां तीनो ने मिलकर गाली गलौज करते हुए धारदार हथियार से सौरभ के साथ मारपीट करते हुए उसे जबरदस्ती घसीटकर अपने साथ ले जाने लगे। शोर सुनकर आये अन्य किसानों ने सौरभ की जान बचाई। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी पिन्टू शर्मा व उसके पुत्र तथा भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

धूम धाम से मनाया गया डीएवी कालेज इंटर सिसौली का स्थापना दिवस

सिसौली। डी0 ए0 वी0 इंटर कॉलेज आलमपुर, सिसौली मुजफ्फरनगर में आज विद्यालय का स्थापना दिवस को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के एकमात्र जीवित संस्थापक श्री स्नान सिंह एवं जी0 जी0 आई0 सी0 की प्रधानाचार्या प्रियंका वर्मा रहीं। इसके अलावा श्री नरेश चंद्र त्यागी, प्रबंधक, श्री अरविंद इंटर कॉलेज पुरा, श्री नरेंद्र मालिक, प्रबंधक खरड़ इंटर कॉलेज , डी0 ए0 वी0 सिसौली के पुर्व अध्यापक श्री विजेंद्र सिंह , अजीत सिंह, श्री नरेश पाल, विद्यालय के प्रबंधक श्री राकेश शर्मा एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा संस्थापकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए एंव दीप प्रज्वलित कर की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके उपरांत विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का भी अनावरण किया गया।

अपने संबोधन में चौधरी नरेश टिकैत ने विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य, श्री यतेंद्र कुमार धीर व उनकी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के हाई स्कूल व इंटर की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। हाई स्कूल में जिले में आठवां स्थान प्राप्त करने वाले रोहित कुमार को विशिष्ट रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही साथ विद्यालय के सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिव चौक पर समीर की रोजी रोटी बचाने आगे आये प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी एक बार फिर से एक पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए आगे आये हैं। उन्होंने शिव चौक पर फूल माला बेचने वाले अफजाल और उनके पुत्र समीर को न्याय दिलाने के लिए आवाज बुलंद की है। इनको धर्म और नाम पूछने के बाद अब कुछ लोग शिव चौक से हट जाने के लिए धमकी दे रहे हैं, जबकि इनकी तीसरी पीढ़ी यहां फूल माला बेचने का काम कर परिवार चला रही है। ऐसे में प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमण के बहाने से इनको यहां फूल माला बेचने से हटाया गया तो पूरे बाजार का अतिक्रमण हटवाने के लिए वो शिव चौक पर धरना देंगे।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए बताया कि समीर नाम का एक युवक आज उनसे मिला और अपनी समस्या बताई है। समीर ने बताया कि उनके पिता अफजाल करीब 35–40 साल से शिव चौक के पास ही साइकिल पर पूजा के लिए फूलों की माला और फूल बेचने का काम करते आ रहे हैं। उनके पास कोई ठिया नहीं है और वो इसी से अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। कहा कि पिछले कई दिनों से कुछ लोग समीर के पिता अफजाल के पास आकर उनको धमकी दे रहे हैं। इन लोगों ने उनका नाम पूछा और फिर उनको शिव चौक पर अतिक्रमण करने और मुस्लिम होने के कारण यहां फूल माला नहीं बेचने देने की धमकी दी।

समीर की समस्या के समाधान के लिए मौके पर ही डायल 112 पर कॉल की पहुंचे पुलिस कर्मी ने समस्या को सुना उचित नहीं समझा पर और समीर को ही चौकी ले जाने के लिए कहने लगे। यह पुलिस की निंदनीय कार्यप्रणाली है। जिसका मनीष चौधरी ने विरोध किया इसके बाद सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समीर या उनके पिता को यहां से हटाने के लिए किसी के भी द्वारा कोई उत्पीड़न भरी कार्यवाही या जोर जबरदस्ती की गई तो वो अन्य लोगों के साथ पीड़ित को न्याय की मांग करते हुए शिव चौक पर ही धरना प्रारम्भ कर देंगे। उनका कहना है कि यदि एक साइकिल पर फूल बेचने वाले से धर्म पूछकर, नाम पूछकर कुछ लोग धर्म के नाम पर वैमनस्यता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं तो ये लोग उन आतंकवादियों से कम नहीं है, जिन्होंने धर्म पूछकर पहलगाम में निर्दोष लोगों का कत्ल किया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि पीड़ित को न्याय दिलाया जाये, सुरक्षा दी जाये और आजीविका का साधन न छीना जाये। यदि अतिक्रमण हटाना है तो इस साइकिल वाले से पहले पूरे बाजार का अतिक्रमण हटाने के काम प्रशासन करे।

युवक समीर ने बताया कि 15–20 दिन से मेरे पिता को कुछ लोग लगातार परेशान कर हैं, वो लोग मुसलमान होने के कारण यहां पर फूल माला बेचने नहीं दे रहे हैं। समीर का कहना है कि उनके परिवार से तीसरी पीढ़ी के रूप में अब वो यहां पर फूल माला बेचने का काम कर रहे हैं। करीब 40 साल पहले उनके दादा ने यहां पर ये काम शुरू किया था, फिर पिता जी ने फूल माला बेचकर ही उनका पालन पोषण किया और अब वो पिता को मिल रही धमकी के बाद कई दिनों से खुद यहां आकर फूल माला बेच रहा है।

साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की मुहिम आओ चिलचिलाती धूप से बचाव कर पक्षियों को दें जीवन दान

भीषण गर्मी में पक्षियों का रखे ध्यान, घरों की छत पर करें दाने और पानी का इंतजाम: क्रांतिकारी शालू सैनी

मुजफ्फरनगर। साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रांतिकारी शालू सैनी ने सोशल मीडिया के माध्यम से देश भर की जनता से आसमान से बरसती आग से बचाने के लिए अपने अपने घरों की छतों पर दाने और पानी का इंतजाम करने की अपील की हैं। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। उन्होने कहा कि गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी बचा सकता है।

सुबह आंखें खुलने के साथ ही घरों के आस–पास गौरेया, मैना व अन्य पक्षियों की चहक सभी के मन को मोह लेती है। घरों के बाहर फुदकती गौरेया बच्चों सहित बड़ों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। गर्मियों में घरों के आसपास इनकी चहचहाहट बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोग पक्षियों से प्रेम करें और उनका विशेष ख्याल रखें। जिले में गर्मी बढने़ लगी है। यहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो गया है। आने वाले सप्ताह और जेठ में और अधिक गर्मी पडने़ की संभावना है। गर्मी में मनुष्य के साथ–साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यकता होती है। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां–वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं। यही कारण हैं कि दिन प्रतिदिन पक्षियों की प्रजाति लूप्त होती जा रही हैं। पक्षियों की प्रजाति के कम होने का कारण कही न कही आदमी भी हैं क्योंकि अपने स्वार्थ के लिए घने जंगलों को साफ करते जा रहे हैं। हरे भरे पेडों की कटाई ज्यादा और पैदावार कम होने से धरती से हरियाली कम होती जा रही हैं जिस कारण विभिन्न पक्षियों की प्रजाति कम होती जा रही हैं।

एस०डी० कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी, मुजफ्फरनगर बना आईआईटी रुड़की वर्चुअल लैब का नोडल सेंटर

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड स्थित एस0 डी0 कालेज ऑफ इन्जिनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी के लिए यह एक गर्व का क्षण है कि एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को प्रतिष्ठित आईआईटी रुड़की की वर्चुअल लैब परियोजना के अंतर्गत एक नोडल सेंटर के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि के लिए कॉलेज को आईआईटी रुड़की द्वारा आधिकारिक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया है। यह वर्चुअल लैब्स परियोजना भारत सरकार के राष्ट्रीय मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनएमईआईसीटी) के तहत संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य देशभर के छात्रों को रिमोट एक्सेस के माध्यम से उन्नत प्रयोगशालाओं का अनुभव प्रदान करना है।

इस अवसर पर संस्थान के सचिव श्री अनुभव कुमार ने वर्चुअल लैब्स की मान्यता को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि संस्थान को प्राप्त हुई यह मान्यता न केवल संस्थान के लिए सम्मान की बात है, बल्कि समस्त मुजफ्फरनगर क्षेत्र के लिए भी एक प्रेरणा है। यह कॉलेज की निरंतर प्रगति और गुणवत्ता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को नवीनतम तकनीकी संसाधनों और राष्ट्रीय स्तर के प्लेटफॉर्म्स से जोड़ना है, ताकि वे वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। यह वर्चुअल लैब नोडल सेंटर कॉलेज के छात्रों को वर्चुअल माध्यम से उच्च स्तरीय प्रयोगों और शोध कार्यों का अनुभव देगा। एस0 डी0 कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एक ऐसा संस्थान है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत है। यह संस्थान तकनीकी शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र है जहाँ नवाचार मिलता है। संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्सेज जैसे कि कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनफारमेशन टैक्नोलोजी, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एमटेक (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) व एमबीए (फाइनेन्स, मार्केटिंग, एचआर, इनफारमेशन टैक्नोलोजी, ऑपरेशन मैनेजमेन्ट, इंटरनेशनल बिजनेस) में उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर छात्र–छात्रायें अपने भविष्य को उज्जवल बनाकर अपने सपनों को साकार कर सकते है। यहाँ शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और नेतृत्व का मार्ग बनती है। गहरी तकनीकी समझ, नैतिक मूल्यों, अनुसंधान और व्यवहारिक ज्ञान का संगम छात्रों को एक सक्षम, जागरूक और जिम्मेदार इंजीनियर व नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है।

निदेशक डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि वर्चुअल लैब्स से छात्रों को रियल टाइम सिमुलेशन और प्रायोगिक अभ्यास का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी तकनीकी समझ और प्रैक्टिकल स्किल्स में बेहतरीन सुधार होगा। यह पहल छात्रों को केवल अकादमिक नहीं बल्कि इंडस्ट्री–रेडी बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी। इस उपलब्धि के साथ एस0 डी0 कॉलेज एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि वह तकनीकी शिक्षा में विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार का प्रतीक है। हमारे संस्थान की पहचान न केवल एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था के रूप में है, बल्कि यह भी गर्व का विषय है कि यहाँ से शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक छात्र–छात्रायें आज देश–विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। यह हमारे कॉलेज की गुणवत्ता, शिक्षकों की मेहनत और छात्रों की लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जिनमें से कुछ आईएएस, आईपीएस जैसे प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं, तो कुछ ने विदेशों में जाकर मल्टीनेशनल कंपनियों में ऊँचे ओहदे प्राप्त किए हैं। कई छात्र रिसर्च स्कॉलर के रूप में दुनिया की शीर्ष यूनिवर्सिटीज में काम कर रहे हैं। इन सभी उपलब्धियों से कॉलेज का नाम रोशन हो रहा है और यह प्रेरणा बन रहा है वर्तमान छात्रों के लिए। हमारे कॉलेज से शिक्षा प्राप्त छात्र–छात्रायें विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और भविष्य में भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

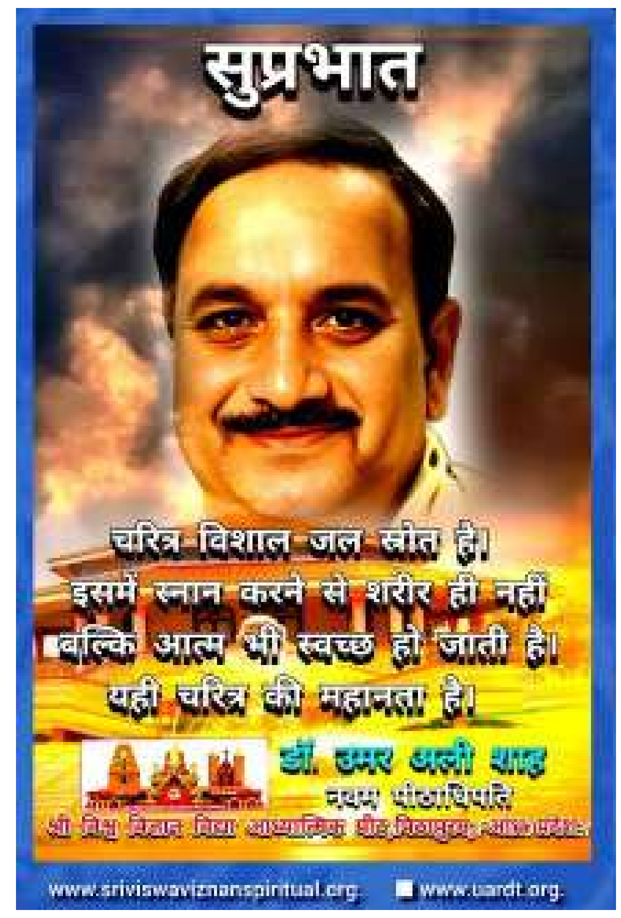

सबको दो सम्मान

(कुण्डलिया)

क़लम लिख रही पुस्तकें, पुस्तक देती ज्ञान।
बनना है इन्सान तो, सबको दो सम्मान।
सबको दो सम्मान, समझ कर उनको अपना।
हल्का–फुल्का दोष, हमेशा तजते रहना।
सुन लो कहें प्रदीप, चलो केवल राह सही।
सारयुक्त यह बात,देव बन क़लम लिख रही।

खुशियाँ आती हैं तभी, देती हैं मुस्कान।
कहती है इन्सानियत, बस सहो तनिक नुकसान।
बस सहो तनिक नुकसान, मुनाफा अपना तजकर।
सबको करना प्यार, मगर चुप थोड़ा रहकर।
सुन लो कहें प्रदीप, काव्य की बनकर सखियाँ।
गाओ मंगल गीत, बताओ क्या हैं खुशियाँ।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डॉ. सत्येन्द्र पटेल प्रखर पीएचडी मानद उपाधि से सम्मानित

जबलपुर। डॉक्टर सत्येन्द्र पटेल प्रखर जी को आपदा प्रबंधन में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए दिनांक 10 मई 2025 को 'महाकौशल विश्वविद्यालय' ,जबलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित छठवें अंतर्राष्ट्रीय समारोह में 'दि अमेरिकन यूनिवर्सिटी' (USA) के द्वारा PHD मानद की डिग्री एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि 'डॉ ए के वर्मा', माननीय सदस्य 'लोक सेवा आयोग प्रयागराज,उत्तर प्रदेश' एवं 'डॉ प्रोतिमा मधुकृष्णन', 'कुलपति' द अमेरिकन यूनिवर्सिटी (यूएसए) विशिष्ट अतिथि 'डॉ अनिल तिवारी' 'कुलाधिपति' महाकौशल विश्वविद्यालय ,जबलपुर ,'डॉ जे एस मिश्रा', 'निदेशक' ICAR - DWR, 'प्रोफेसर' आर सी मिश्रा, 'कुलपति' 'प्रोफेसर' डी आर सिंह ,बिहार कृषि विश्वविद्यालय, 'प्रो.एम डी आर गुप्ता' जी सहित 'कुलपति' 'ग्लोबल विश्वविद्यालय इटानगर अरुणाचल प्रदेश' और 'गुरु तेगबहादुर महाविद्यालय', जबलपुर के सहायक कुल सचिवों की गरिमामई उपस्थिति रही।

बताते चलें कि सत्येन्द्र पटेल प्रखर जी अब तक हिंदी साहित्य की विविध विधाओं पर 25 पुस्तकों की रचना कर राष्ट्रिय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं एवं राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण से प्रशिक्षित होकर विगत 13 वर्षों से अधिक सरकारी, कार्यक्रमों में आपदा के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अपनी महती भूमिका निभा चुके हैं साथ ही आप बृजरानी पटेल विद्यापीठ के प्रबंधक के रूप में शिक्षा के क्षेत्र और प्रकाश सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी में सचिव के रूप में समाज सेवा करते हुए सरदार पटेल शोध संस्थान की स्थापना की जिसके अंतर्गत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जन सेवा से जुड़े महापुरुषों पर शोध कार्य कार्य करके उनकी, जीवनी, कृतित्व एवं व्यक्तित्व से आम जनमानस को जागृत एवं प्रेरित करने के अभियान को अपने गीतों के माध्यम से चलाते हुए अपना सतत् योगदान प्रदान कर रहे है, सत्येन्द्र पटेल प्रखर जी के जीवन, साहित्यिक संसार से जुड़ी विषय वस्तु पर लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थी अर्ष कुमार द्वारा सत्येन्द्र पटेल प्रखर जी पर लघु शोध कार्य किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :- EL-C-PRYJ-03-25-26 दिनांक :- 12.05.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 09.06.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत हैं-

कार्य का नाम : डीटूरिंग ऑफ़ एक्ज़िस्टिंग 132 के0 वी0 3 फेज़ डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन एट वेरियस 2x25 के0 वी0 टीएसएस इन जिवनाथपुर-कानपुर सेक्शन ऑफ़ नार्थ सेंट्रल रेलवे इन कनेक्शन विथ मिशन रफ़्तार प्रोजेक्ट

प्रकाशित कार्य की लागत (रू0 में) : 17,64,78,445.20/-	बोली प्रतिभूति (रू. में) : 10,32,400/-
कार्य अवधि : 6 माह	निविदा खुलने की तिथि : 09.06.2025

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिये कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है।

818/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.......

पाक को दो टूक

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में पाक को चेताया है। उन्होंने सेना के सभी अंगों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि फिलहाल युद्ध स्थगित हुआ, खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ किया कि वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग–अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा कि भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। यह भी कि दो–तीन दशकों में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि टॉक और टेरर व ट्रेड और टेरर साथ–साथ नहीं चल सकते। उन्होंने आतंक की पोषक पाक सरकार को खुले शब्दों में चेताया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनका इशारा सिंधु समझौते को स्थगित करने की तरफ था। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि अब न्यू नॉर्मल है कि भारत ने आतंक की लड़ाई के खिलाफ नई लकीर खींच दी है। आतंक का अपनी शर्तों पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, न्यूक्लियर भयादोहन सहन नहीं होगा तथा आतंकवादियों तथा आतंक को पोसने वाली सरकार को अलग–अलग करके नहीं देखा जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को संरक्षण देने में पाक सरकार की सक्रिय भूमिका है। एक बार फिर पाक पोषित आतंकवाद दुनिया के सामने उजागर हुआ है। साथ ही कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज की समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है। बिना लाग–लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने सेना के पराक्रम और भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। साथ ही उन्होंने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया। उन्होंने माना कि यह युद्ध का समय नहीं है। लेकिन जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। अब समय आ गया है कि पाकिस्तानी हुक्मरानों को आतंकवादियों को खाद–पानी देने से बचना होगा। आतंकवाद के ढांचे को खत्म किए बिना पाकिस्तान में शांति की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता–बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी।

जीनोम संपादित: चावल विरासत की बेदखली ?

निलेश देसाई

जीनोम इंजीनियरिंग तकनीक सदियों से स्थापित इन कृषि पद्धतियों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है। बीज संप्रभुता पर खतरा–जीनोम संपादित बीजों का विकास और व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी, बहुराष्ट्रीय कृषि जैव–प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में केंद्रित होता है।

भारत में चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देने की दिशा में बढ़ते कदम ने कृषि क्षेत्र में एक नई बहस छेड़ दी है। एक तरफ, यह तकनीक फसल सुधार और उत्पादन वृद्धि की अपार संभावनाओं का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ, प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करती है। यह लेख बीज संप्रभुता, देशी बीजों की शुद्धता और जैव–विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की चुनौतियों का विश्लेषण करता है। जीनोम इंजीनियरिंग (जीनोम एडिटिंग) का मतलब किसी जीन के जेनेटिक कोड में बदलाव करना है। बदलावों में जीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को हटाना, प्रोटीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को जोड़ना या म्यूटेशन बनाने के लिए न्यूक्लियोटाइड को संपादित करना शामिल है। प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं। ये बीज न केवल स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूल होते हैं, बल्कि उनमें रोग–प्रतिरोधक क्षमता और पोषण का भी अपना विशिष्ट संयोजन होता है। जीनोम इंजीनियरिंग तकनीक सदियों से स्थापित इन कृषि पद्धतियों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है। बीज संप्रभुता पर खतरा–जीनोम संपादित बीजों का विकास और व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी, बहुराष्ट्रीय कृषि जैव–प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में केंद्रित होता है। इन कंपनियों के पास अक्सर इन बीजों पर बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) होते हैं, जैसे कि पेटेंट। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को हर फसल–चक्र के लिए नए बीज खरीदने को मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनकी परम्परागत रूप से चली आ रही बीज स्वतंत्रता और नियंत्रण कम हो जाता है। प्राकृतिक खेती का एक मूल सिद्धांत किसानों की बीज संप्रभुता है, जहां वे स्वयं अपने बीजों का उत्पादन, संरक्षण और आदान–प्रदान कर सकते हैं। जीनोम संपादित बीजों पर निर्भरता इस स्वायत्तता को कमजोर करती है और किसानों को बाहरी संस्थाओं पर निर्भर बनाती है। यह न केवल उनकी लागत बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की ताकतों के प्रति भी अधिक संवेदनशील बनाता है। देशी बीजों के विपरीत, जिन्हें किसान पीढ़ी–दर–पीढ़ी बचाकर और सुधारकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ढाल सकते हैं, जीनोम संपादित बीजों के साथ यह लचीलापन सीमित हो जाता है। देशी बीजों की शुद्धता पर संकट–जीनोम संपादित चावल की किस्मों की खेती से देशी चावल की किस्मों के आनुवांशिक प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। परागण के माध्यम से, जीनोम संपादित बीजों के जीन जाने–अनजाने में पड़ोसी खेतों में उगाई जा रही देशी किस्मों में स्थानांतरित हो सकते हैं। यह न केवल देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी विशिष्ट विशेषताओं और स्थानीय अनुकूलन को भी बदल सकता है। प्राकृतिक खेती में बीजों की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और अन्य जैविक घटकों के साथ उनकी जटिल अंतःक्रिया को प्रभावित करती है। यदि देशी बीजों की अनुवांशिक संरचना बदल जाती है, तो यह प्राकृतिक खेती के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकती है। जैविक प्रमाणीकरण के लिए भी शुद्ध और गैर–जीएमओ (गैर–अनुवांशिक रूप से संशोधित) स्थिति आवश्यक है, और जीनोम संपादन के माध्यम से होने वाला अनपेक्षित जीन–प्रवाह इस प्रमाणीकरण को खतरे में डाल सकता है। जैव विविधता के लिए चुनौती–भारत चावल की समृद्ध जैव–विविधता का केंद्र रहा है, जिसमें हजारों वर्षों से विकसित हुई अनगिनत देशी किस्में मौजूद हैं। ये किस्में विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूल हैं और विभिन्न प्रकार की पोषण संबंधी और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। यदि जीनोम संपादित अधिक उपज वाली किस्में व्यापक रूप से अपनाई जाती हैं, तो ये किसानों को व्यावसायिक रूप से आकर्षक बीजों की ओर आकर्षित कर सकती हैं, जिससे देशी चावल की किस्मों की खेती कम हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप चावल की अनुवांशिक–विविधता का भारी नुकसान हो सकता है। जैव–विविधता का नुकसान कृषि–पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करता है, फसलों को बीमारियों, कीटों और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। प्राकृतिक खेती जैव–विविधता को बढ़ावा देने पर जोर देती है, क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य, कीट–नियंत्रण और समग्र पारिस्थितिकी–तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है। देशी बीज इस जैव–विविधता का एक अभिन्न अंग है और उनका नुकसान कृषि को कमजोर बना सकता है। चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देना संभवतरू खाद्य–सुरक्षा और फसल सुधार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलता है, लेकिन प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के साथ इसके गहरे विरोधाभास और चुनौतियां हैं। बीज संप्रभुता का क्षरण, देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता पर खतरा और जैव–विविधता का नुकसान ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिन पर नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और किसानों को मिलकर विचार करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर: एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

राजेंद्र शर्मा

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे कामयाब साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे–तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है। इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ–भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा। आने वाले दिनों में बार–बार दोहराने के जरिए, जीत के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल–जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत–विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार ने प्रति आलोचनात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, दवायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी। बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्ध विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव और परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि रजीतत का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ–भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है। इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बख्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ–भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए।

बदला पहलगाम का

शर्म न आई वो दहशतगर्दों ,
जो तुम मारे थे धर्म पूछ– पूछ कर ।

क्यों मारे थे पहलगाम में उन सबको ,
जो आए थे काश्मीर का आंनद लेने घुम–धुम कर।

क्या बिगारा था उन मासुमो ने, जिसे मारे थे तुम सब धर्म पूछ–पूछ कर ।

शर्म करो ये देश के गद्दारों,
जो बोलते हो आंतकवाद का कोई धर्म नहीं होता।

यदि उसका कोई धर्म नहीं था,

तो क्यों मारा पहलगाम में धर्म पूछ–पूछ कर ।

अब तुम देखोगें भारत का तांडव,

जब हम मारेंगे तुम दहशतगर्दों को चुन–चुन कर ।

रख देगें तुम सबको काट कर, रखना याद जरूर,

पोछा था जिस हाथ से,
हमारे बहनों के मांग का सिंदूर ।

मेरी बहनें सुन ले; उस हाथ को काटना शुरू कर दिये

जिसने पोछा था तुम्हारे मांगो का सिंदूर ।

लो आज भारत भी शुरू कर दिया ऑपरेशन सिंदूर।।

सुजीत कुमार शर्मा
अध्यापक (हिंदी)
शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन
विश्वनाथ चारिआलि, असम
मोः 9085706217

भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत–पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिस्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है। क्या चीन ने इस बार पाकिस्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ स्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा। दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं। श्री मोदी ने भले ही राजनीतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी। हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिस्तान पस्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए। पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हस्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए। पाकिस्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिस्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी। भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी। भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है। शाहबाज शरीफ ने तो अपने संबोधन में अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर सबका नाम लेकर शुक्रिया अदा कर दिया, और इनमें से किसी ने भी ये नहीं कहा कि अपनी लड़ाई में हमारा नाम मत लो। यानी सबने सहमति दी कि वो पाकिस्तान के साथ खड़े थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो बार–बार ये कहते रहे कि भारत–पाक मेरे लिए दोनों बराबर हैं, उन्होंने भी इस युद्धविराम की घोषणा से पाकिस्तान को खुश और भारत को असहज कर दिया। भारत की यह नीति रही है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है और इसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ट्रंप ने पहले युद्धविराम का ट्वीट किया फिर अगले दिन के ट्वीट में कश्मीर मसले का जिक्र कर संकेत दे दिए कि ये दखलंदाजी अब कश्मीर मुद्दे तक पहुंचने वाली है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लिखा है कि भारत और पाकिस्तान विवादों को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश में बात करेंगे। और रुबियो के ट्वीट पर कारोबारी एलन मस्क ने लिख दिया बधाई। यानी अमेरिका ने पूरी तरह भारत को अपनी शर्तों पर चलता हुआ दिखाने की कोशिश की। इस बात ने भारत को असहज कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के ट्वीट से इसका पता चलता है। भारतीय विदेश मंत्री ने लिखा है, भारत–पाकिस्तान गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक सहमति पर पहुंचे हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत समझौता नहीं करेगा और यही रुख आगे भी रहेगा। इस ट्वीट मे न कहीं अमेरिका का जिक्र है, न उसे पाकिस्तान की तरह धन्यवाद दिया गया है। यही होना भी चाहिए था, लेकिन श्री मोदी कूटनीति में विफल हो गए। उनकी विफलता का नमूना अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी दिखा। सीएनएन ने पहले दावा किया कि भारत ने अमेरिका को मध्यस्थता के लिए कहा। वहीं द टेलीग्राफ ने दावा किया कि चीन की मदद पाकिस्तान को मिल रही थी और इसमें भारत के राफेल विमान को गिराया गया। सवाल उठे कि क्या भारत पाकिस्तान के साथ ही नहीं, बल्कि छिपे हुए चीन के साथ भी लड़ रहा था। हालांकि रविवार को तीनों सेनाओं की तरफ से जो संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की गई, उसमें वायुसेना के एयर मार्शल एके. भारती से जब यह सवाल किया गया कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान को नुकसान पहुंचा है? उन्होंने कहा कि हम अभी भी युद्ध के हालत में हैं। और नुकसान इसका एक हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या हमने अपना उद्देश्य हासिल कर लिया है? इसका जवाब है हां। जहां तक विस्तृत जानकारी का सवाल है, इस समय मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा क्योंकि हम अभी भी युद्ध में हैं और विरोधी पर बढ़त हासिल कर रहे हैं। हमारे सभी पायलट घर वापस आ गए हैं। एयर मार्शल भारती ने तो सधा हुआ जवाब दे दिया। हमारी सेना ने भी सधी हुई कार्रवाई की की। लेकिन सत्ताधारी भाजपा इस बार संतुलन खोती नजर आई, जिसमें देश को नुकसान हुआ।

पाकिस्तान में ब्लास्ट होता है तो वो भारत का नाम नहीं लेते..सलमान खान का चौंकाने वाला वीडियो वायरल

> बीते दिन सीजफायर भी हुआ था लेकिन पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और गोलियां बरसानी शुरू कर दी। पाकिस्तान के इस रवैया पर हर बॉलीवुड के कई स्टार्स ने रिएक्शन दिए हालांकि कई स्टार्स ऐसे हैं जो इस पर चुप्पी साधे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव बढ़ता ही जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देशभर में गुस्सा देखने को मिला। जवाब में भारत ने भी आतंकियों के 9 ठिकाने उड़ा दिए। इसके बाद दोनों ही देशों ने एक दूसरे पर हमले करने शुरू कर दिए। बीते दिन सीजफायर भी हुआ था लेकिन पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। पाकिस्तान के इस रवैया पर हर बॉलीवुड के कई स्टार्स ने रिएक्शन दिए हालांकि कई स्टार्स ऐसे हैं जो इस पर चुप्पी साधे हैं। इस लिस्ट में सलमान खान का नाम भी शामिल है हालांकि सीजफायर होने पर एक्टर का एक ट्वीट सामने आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ऊपर वाले का शुक्र है कि सीजफायर हुआ, लेकिन इस ट्वीट को करने के तुरंत बाद ही सलमान खान ने इस ट्वीट को तुरंत डिलीट कर दिया। अब इन सबके बीच सलमान खान का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह पाकिस्तानी हमले और भारत के हमलों को लेकर वह बात करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान का यह वीडियो तब का है जब 26/11 अटैक हुआ था। इस वीडियो में सलमान खान कहते नजर आ रहे हैं कि पाकिस्तान में खुद इतना हो रहा है। कितने सारे अटैक हुए हैं। वहां भी ब्लास्ट होते हैं। जिसपर पाकिस्तान का कोई कंट्रोल नहीं है। मैं वहां के अखबार तो नहीं पढ़ता लेकिन वहां पर कई ऐसी घटना होती है तो क्या वो लोग बोलते हैं कि ये हिंदुस्तानियों ने किया है, सलमान खान आगे कहते हैं कि हम भी यही दिक्कत झेल रहे हैं। जो ऐसा कर रहा है वो छोटी मोटी ऑर्गेनाइजेशन तो हो नहीं सकती ना। बड़े लेवल पर होगी। और कितने बड़े लेवल पर है वो आप खोजो। सलमान खान आगे कहते हैं कि उनका ट्रेनिंग कैंप होगा एक रूम में तो नहीं होगा। पहाड़ों के बीच में, जंगल में या किसी विराने में फुल सेटअप होगा। खुद तो बंदूकें नहीं बनाते होंगे कहीं ना कहीं से तो खरीदते होंगे। तो खोजो उसको। अब भारत–पाकिस्तान के हमले के बीच समलान खान का यह पुराना वीडियो खूब सुर्खियों में है।

मेरी मां और बहन जम्मू में..हमलों के कारण कई रातों तक सो नहीं पाए शहीर शेख, बोले–मैं हमारी सेना का हमेशा ऋणी रहूंगा

टीवी के फेमस एक्टर शहीर शेख ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। जम्मू–कश्मीर के भद्रवाह से ताल्लुक रखने वाले शहीर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी चिंता जाहिर की कि कैसे हाल की घटनाओं ने उन्हें और उनके परिवार को मानसिक रूप से झकझोर दिया। शहीर ने बताया कि जब पाकिस्तान की ओर से हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण जम्मू, पठानकोट और उधमपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में खतरा बढ़ गया, तो उनका परिवार उस समय जम्मू में ही था। ऐसे हालातों में वह बेहद तनाव में थे और कई रातों तक सो नहीं सके। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा–मेरी मां और बहन जम्मू में हैं। इन हमलों ने हमें कई रातों तक सोने नहीं दिया। लेकिन जिस तरह से हमारी सेना ने बहादुरी से और सटीकता के साथ जवाब दिया, वह गर्व की बात है। शहीर शेख ने आगे भारतीय सेना को सलाम करते हुए लिखा हमारी सेना का मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। जिस तरह से उन्होंने जवाब दिया, उससे हमें सुरक्षा और भरोसा मिला। जब किसी सैनिक का अपना परिवार मोर्चे पर होता है, तो उनके अपने पर क्या गुजरती है, ये मैंने महसूस किया है। आगे एक्टर ने सैनिकों के परिजनों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की और लिखा सिर्फ सैनिक ही नहीं, उनके परिवार भी उतने ही बहादुर होते हैं। जो हिम्मत वो मैदान में दिखाते हैं, वही हिम्मत उनके परिवार मैदान से बाहर दिखाते हैं। आज जिन लोगों ने अपने किसी को खोया है, उनके लिए मेरी दिल से संवेदनाएं हैं। सोशल मीडिया पर शहीर शेख का यह पोस्ट काफी वायरल हो रहा है और फैंस भी भावुक होकर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं।

रोमियो एस3 में दमदार एक्शन दिखाएंगे ठाकुर अनूप सिंह,स्टंट के लिए नहीं लिया बॉडी डबल

गुड्डू धनोआ निर्देशित फिल्म रोमियो एस3 एक एक्शन फिल्म होने वाली है। फिल्म 'रोमियो एस3' में पुलिस ऑफिसर के रोल में ठाकुर अनूप सिंह हैं और पलक तिवारी हीरोइन बनी हैं। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आइए फिल्म के लीड एक्टर से जानते हैं इसके बारे में... संग्राम सिंह शेखावत का किरदार काफी अलग और लेयर्ड है, यही बात मुझे इसमें सबसे अच्छी लगी। पहली बार मैं किसी हिंदी फिल्म में लीड रोल कर रहा हूं, और वो भी लॉन्च प्रोजेक्ट में, तो जिम्मेदारी भी बड़ी थी।गुड्डू धनोआ के साथ पहली बार काम करने का अनुभव कैसा रहा? गुड्डू सर के साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा मौका था। वो इतने तजुर्बेकार डायरेक्टर हैं, और हर सीन की बारीकी पर ध्यान देते हैं। उन्होंने मुझे हर स्टेप पर गाइड किया, और उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। क्या इस किरदार को निभाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहा? हां, किरदार के लिए एक खास बॉडी चाहिए थी, तो मुझे फिटनेस और डाइट का काफी ध्यान रखना पड़ा। ऊपर से मेरी एपेंडिक्स की सर्जरी भी हुई थी, जिससे ये रोल निभाना और भी मुश्किल हो गया था। आप हिंदी और साउथ दोनों इंडस्ट्री में काम करते हैं, तो एक्टिंग स्टाइल कैसे बदलते हैं?मैंने अब तक कई तरह के रोल किए हैं, और इस फिल्म का किरदार उनमें से कई का मिला–जुला रूप है। अगर लोगों ने मेरा पुराना काम पसंद किया है, तो मुझे यकीन है कि ये रोल भी उन्हें अच्छा लगेगा। आपके किरदार की चाल–ढाल और स्टाइल काफी अलग दिखती है। इस पर आपने कितना काम किया? फिल्म में मैं दो अलग–अलग किरदार निभा रहा हूंकृएक ड्रग पेडलर और एक पुलिस ऑफिसर। इसलिए मैंने दोनों की बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और स्टाइल को अलग दिखाने पर खूब मेहनत की, जो फिल्म में साफ नजर आएगा। फिल्म में बहुत एक्शन है, आपने खुद से स्टंट किए हैं। उसकी तैयारी कैसे की? हां, फिल्म में खूब एक्शन है और वो इमोशन से जुड़ा हुआ है। सारे एक्शन सीन टीनू वर्मा ने डिजाइन किए हैं, जो जबरदस्त टेक्नीशियन हैं। और हां, जितने भी स्टंट हैं वो मैंने खुद किए हैं, कोई बॉडी डबल नहीं लिया। इस फिल्म से आप दर्शकों को क्या संदेश देना चाहते हैं? मैं चाहता हूं कि लोग हमारी पुलिस और न्याय व्यवस्था की इज्जत करें। फिल्म में उसी ताकत और जज़्बे को दिखाया गया है। मैं उम्मीद करता हूं कि लोग सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखें और हमें अपना प्यार दें। पलक तिवारी के साथ आपकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री कैसी रही? पलक के साथ काम करना मजेदार रहा। वो काफी एनर्जेटिक हैं और जैसी उनकी किरदार है, असल जिंदगी में भी वो वैसी ही हैं। उन्होंने फिल्म में बहुत मेहनत की और हमारी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री भी बहुत अच्छी रही।

भारतीय सैनिकों के लिए आलिया भट्ट की भावनात्मक पोस्ट, ''हर वर्दी के पीछे एक माँ होती है जो कभी सोई नहीं होती''

भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच आलिया भट्ट ने मदर्स डे संदेश को राष्ट्रवादी गौरव के साथ जोड़ा है। मंगलवार को आलिया भट्ट ने भारतीय सैनिकों और उनकी उत्साही माताओं को समर्पित एक लंबी भावनात्मक पोस्ट लिखी। आलिया भट्ट ने इस नोट की शुरुआत इन शब्दों से की, षपिछली कुछ रातें अलग–अलग महसूस हुई हैं। जब कोई राष्ट्र अपनी सांस रोक लेता है तो हवा में एक निश्चित शांति होती है। और पिछले कुछ दिनों में हमने उस शांति को महसूस किया है। वह शांत चिंता। वह तनाव की धड़कन जो हर बातचीत के पीछे, हर समाचार अधिसूचना के पीछे, हर खाने की मेज के आसपास गूंजती है। आलिया ने आगे कहा, ष्हमें यह जानने का भार महसूस हुआ है कि कहीं न कहीं, पहाड़ों में, हमारे सैनिक जाग रहे हैं, सतर्क हैं और खतरे में हैं। जब हममें से ज़्यादातर लोग अपने घरों में दुबके हुए हैं, तब अंधेरे में खड़े पुरुष और महिलाएं हैं, जो अपनी नींद से हमारी रक्षा कर रहे हैं। अपनी ज़िंदगी से। और यह सच्चाई...आप पर कुछ असर करती है।

सैनिकों को पालने वाली माताओं की हिम्मत की प्रशंसा की

32 वर्षीय अभिनेत्री ने इन सैनिकों को पालने वाली माताओं की हिम्मत की प्रशंसा की और लिखा, क्योंकि आप समझते हैं कि यह सिर्फ़ बहादुरी नहीं है। यह बलिदान है। और हर वर्दी के पीछे एक माँ है जो सोई नहीं है। एक माँ जो जानती है कि उसका बच्चा लोरियों की रात नहीं, बल्कि अनिश्चितता का सामना कर रहा है। तनाव का। एक ऐसी खामोशी जो एक पल में टूट सकती है। आलिया ने अपने नोट का समापन यह कहकर किया, हम एक साथ खड़े हैं। अपने रक्षकों के लिए। भारत के लिए। जय हिंद, तिरंगे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज इमोजी के साथ।

बम्बी मेरी बेटी..बिन शादी के ही पापा बने 24 साल के इब्राहिम अली खान, तस्वीरें शेयर कर बोले- मेरी हर दिन की खुशी

> इब्राहिम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी नई फैमिली मेंबर 'बम्बी खान' की कुछ दिल छू लेने वाली तस्वीरें शेयर की हैं। बम्बी एक प्यारी सी पपी (कुत्ते का बच्चा) है, जिसे इब्राहिम ने न सिर्फ अपनाया, बल्कि उसे अपने दिल और घर में खास जगह दी है। इब्राहिम ने बताया कि एक शूटिंग के दौरान वह पहली बार बम्बी से मिले।

सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। जहां वह जल्द ही डेब्यू के बाद नई फिल्म में नजर आने वाले हैं, वहीं अब उनकी जिंदगी में एक नन्हा और खास सदस्य जुड़ गया है। इब्राहिम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी नई फैमिली मेंबर 'बम्बी खान' की कुछ दिल छू लेने वाली तस्वीरें शेयर की हैं। बम्बी एक प्यारी सी पपी (कुत्ते का बच्चा) है, जिसे इब्राहिम ने न सिर्फ अपनाया, बल्कि उसे अपने दिल और घर में खास जगह दी है। इब्राहिम ने बताया कि एक शूटिंग के दौरान वह पहली बार बम्बी से मिले। उन्होंने लिखा–जब मैं शूट पर था, तभी यह छोटी सी पपी मेरे पास आई और गोद में बैठ गई। इसके बाद वह मेरे साथ खेलने लगी जैसे हम बरसों से एक–दूसरे को जानते हों। उस पल से लेकर आज तक बम्बी मेरे दिल में बस गई है। अपने पोस्ट में इब्राहिम ने यह भी कहा कि अब बम्बी उनके लिए सिर्फ एक पालतू जानवर नहीं रही, बल्कि वह बेटी जैसी बन गई है। उन्होंने लिखा बम्बी अब सिर्फ डॉग नहीं, मेरी बेटी जैसी हो गई है। वो मेरी हर दिन की खुशी का हिस्सा बन चुकी है। बम्बी के साथ उनकी बॉन्डिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और फैंस को यह नया रिश्ता बहुत पसंद आ रहा है। इब्राहिम ने इस पोस्ट में यह भी बताया कि मां अमृता सिंह शुरू में घर पर डॉग लाने के खिलाफ थीं। उन्होंने साफ मना कर दिया था कि घर में पालतू जानवर नहीं रखेंगे। लेकिन इब्राहिम ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिश करते रहे। इब्राहिम ने ष्मैंने मां को मनाने की बहुत कोशिश की। आखिरकार, मेरी जिद और बम्बी की मासूमियत ने काम कर दिया और मां मान गईं। अब बम्बी सिर्फ मेरी नहीं, पूरे घर की चहेती बन गई है।वर्क फ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उन्होंने फिल्म 'नादानियां' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इसके अलावा वह दो और बड़ी फिल्मों 'सरजमीन' और 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

डार्क सर्कल्स कम करने के लिए ट्राई करें ये घरेलू नुस्खा, कुछ ही समय में दिखने लगेगा रिजल्ट

डार्क सर्कल्स की वजह से चेहरे की सुंदरता कम हो जाती है। डार्क सर्कल्स होने के कई कारण हो सकते हैं। डार्क सर्कल्स की समस्या कम करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करते ही डार्क सर्कल्स की समस्या दोबारा शुरू हो जाती है। लेकिन अगर आप इस समस्या को कम करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकती हैं। दरअसल, हम आपको 2 ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करने से यह समस्या कम हो सकती है।

खीरे का इस्तेमाल

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए खीरे का इस्तेमाल भी किया जाता है। खीरे में कई गुण पाए जाते हैं। इसमें एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि चेहरे की सूजन, कालेपन और डार्क सर्कल को कम करने में सहायता करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले खीरे के पतले–पतले स्लाइस काट लें।

अब इन स्लाइस को फ्रिज में रख दें।

फिर इन स्लाइस को आंखों के ऊपर रखें।

सप्ताह में 2–3 बार इसका उपयोग करना चाहिए।

बादाम तेल से मालिश करें

बादाम का तेल स्किन से जुड़ी समस्या को खत्म करने के अलावा डार्क सर्कल को कम करने में भी उपयोगी माना जाता है। बादाम के तेल में कई सारे गुण पाए जाते हैं। बादाम के तेल में विटामिन ᵜ पाया जाता है, जोकि स्किन संबंधी समस्या को कम करने में सहायक होता है। यह तेल स्किन में नमी बनाए रखने में भी मदद करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले एक कटोरी में बादाम का तेल लें।

फिर इस तेल को डार्क सर्कल्स वाली जगह पर लगाएं।

अब हल्के हाथों से मसाज करें।

सप्ताह में 2–3 दिन बार इस उपाय को करने से आपको जल्द ही रिजल्ट मिलेगा।

बोरिंग गर्मियों में इस स्वादिष्ट, ठंडे और क्रीमी नो–बेक Mango Cheesecake का आनंद लें

गर्मियों में आमों का मौसम होता है, और अगर आप भी हमारी तरह आम के दीवाने हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन अनुभव होगा। यह धूप वाला मौसम अपने साथ आमों की मीठी, रसीली अच्छाई लेकर आता है, जो कई तरह की स्वादिष्ट रेसिपी बनाने के लिए एकदम सही है। आज, हम आपकी गर्मियों के डेजर्ट की लिस्ट में एक और रत्न जोड़ रहे हैं, बिना बेक किया हुआ मैंगो चीजकेक। क्रीमी, रिच और ट्रॉपिकल फ्लेवर से भरपूर, यह डेजर्ट हमारे और आपके पसंदीदा मैंगो पन्ना कोट्टा की तरह ही आकर्षक है। सबसे अच्छी बात? यह अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी है, आप आसानी से आमों की जगह आड़ू, जामुन या यहां तक कि लीची जैसे अन्य गर्मियों के फलों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मैंगो चीजकेक बनाने के लिए सामग्री

क्रस्ट बनाने के लिए

– 250 ग्राम बिस्किट

– 3 बड़े चम्मच दानेदार चीनी

– 5 बड़े चम्मच अनसाल्टेड मक्खन, पिघला हुआ

चीजकेक फिलिंग के लिए

– 2 ब्लॉक क्रीम चीज (400 ग्राम)

– 1 कप दानेदार चीनी

– 1 कप मैंगो प्यूरी

– 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस

– 1 चम्मच वेनिला एक्सट्रैक्ट

– 1 कप हैवी क्रीम या व्हिपिंग क्रीम

मैंगो टॉपिंग के लिए

– 2 पके आम, छिलके उतारे और कटे हुए

– 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस

– 1/4 कप दानेदार चीनी

मैंगो चीजकेक बनाने के लिए फॉलो करें ये स्टेप्स

1. सबसे पहले बिस्किट को क्रश करें और चीनी और पिघले हुए मक्खन के साथ मिलाएं। स्प्रिंगफ़ॉर्म पैन में दबाएं और ठंडा करें

2. इसके बाद क्रीम चीज़, चीनी, मैंगो प्यूरी और नींबू या नींबू के रस को चिकना होने तक फेंटें। हैवी क्रीम को फेंटें और क्रीम चीज़ मिश्रण में मिलाएं।

3. क्रस्ट पर चीजकेक फिलिंग डालें और कम से कम 4 घंटे या रात भर के लिए फ्रिज में रख दें।

4. कटे हुए आमों को चीनी और नींबू के रस के साथ तब तक पकाएं जब तक मिश्रण गाढ़ा न हो जाए। इसे ठंडा होने दें।

5. ठंडे चीजकेक पर आम की टॉपिंग डालें और परोसें।

सुझाव

– बेहतरीन स्वाद के लिए ताज़ा या डिब्बाबंद आम की प्यूरी का उपयोग करें।

– शाकाहारी विकल्प के लिए जिलेटिन की जगह अगर–अगर पाउडर या चाइना ग्रास का उपयोग करें।

– अतिरिक्त बनावट के लिए व्हीप्ड क्रीम या व्हीप्ड टॉपिंग की एक परत डालें।

– क्रस्ट के लिए विभिन्न प्रकार के बिस्कुट या कुकीज़ के साथ प्रयोग करें।

हार्ट अटैक से पहले मिलते हैं ये अलर्ट सिग्नल, इन चीजों से बचाई जा सकती है जान

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी, अनहेल्दी खानपान और तनाव भरी दिनचर्या के कारण हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इंडियन हार्ट असोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 20 लाख लोग हार्ट डिजीज के शिकार हो जाते हैं, जिनमें अधिकांश मामलों में हार्ट अटैक शामिल हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि यह बीमारी अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हार्ट अटैक अचानक नहीं आता, बल्कि शरीर पहले से ही कई चेतावनी संकेत (अलर्ट सिग्नल) देने लगता है? अगर इन शुरुआती लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए और जरूरी कदम उठाए जाएं, तो किसी की भी जान बचाई जा सकती है। आइए जानते हैं हार्ट अटैक से पहले मिलने वाले संकेत और उन जरूरी उपायों के बारे में जो आपकी जान बचा सकते हैं।

हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षण

हार्ट अटैक अचानक नहीं आता। इसके लक्षण कई हफ्तों पहले से दिखने लगते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) और अमेरिकन हार्ट असोसिएशन (एएचए) के अनुसार, हार्ट अटैक का सबसे सामान्य लक्षण सीने में दबाव, भारीपन या निचोड़ने जैसा दर्द होता है। यह दर्द कुछ मिनटों तक रहता है और बार–बार हो सकता है। लोग इसे सामान्य दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इसके अलावा, बिना मेहनत किए सांस का फूलना और बाई बांह, कंधे, गर्दन, जबड़े, पेट या पीठ में अचानक दर्द होना भी हार्ट अटैक के संकेत हो सकते हैं। रात में बार–बार नींद का टूटना या उल्टी जैसा महसूस होना भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। जब हार्ट ब्लड को ठीक से पंप नहीं कर पाता तो पैरों या टखनों में सूजन आ सकती है।

हार्ट अटैक से बचने के तरीके

हार्ट अटैक के बाद के पहले 60 मिनट को श्गोल्डन आवरश कहा जाता है। इस दौरान इलाज मिलने से जान बचने के चांस 90 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं। इसलिए इस समय पर तुरन्त कार्रवाई करना बहुत जरूरी है।

सबसे पहला और जरूरी कदम है आपातकालीन नंबर पर कॉल करना। अगर आप अकेले हैं तो किसी परिचित को भी जानकारी दें। इस दौरान खुद गाड़ी चलाना ठीक नहीं है, क्योंकि रास्ते में परेशानी बढ़ सकती है।

एस्पिरिन

अगर आपको हार्ट अटैक के लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो आप 300 मिलीग्राम एस्पिरिन की गोली ले सकते हैं। यह खून को पतला करती है और खून के थक्के बनने से रोकती है, जो हार्ट अटैक का मुख्य कारण होते हैं। हालांकि, एस्पिरिन लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

नाइट्रोग्लिसरीन

अगर आप हार्ट पेशेंट हैं, तो डॉक्टर की सलाह से नाइट्रोग्लिसरीन की दवाई ले सकते हैं। यह रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करती है और सीने के दर्द को कम करने में मदद करती है।

सीपीआर

अगर किसी को हार्ट अटैक के बाद बेहोशी की स्थिति में सांस नहीं आ रही है, तो तुरंत सीपीआर शुरू करें। यदि सीपीआर के बारे में जानकारी नहीं है, तो आप हाथों से सीपीआर (हैंड्स–ऑनली सीपीआर) दे सकते हैं। इसके लिए छाती के बीच में 100 से 120 बार प्रति मिनट की गति से दबाव डालें। इससे रक्त प्रवाह बनाए रखने में मदद मिलेगी और जान बच सकती है। हार्ट अटैक एक गंभीर समस्या है, लेकिन समय रहते चेतावनियों को पहचानकर आप अपनी जान बचा सकते हैं। सही समय पर इलाज और सावधानी से हार्ट अटैक के प्रभाव को कम किया जा सकता है। अगर आपको या किसी और को हार्ट अटैक के लक्षण महसूस होते हैं तो तुरंत कार्रवाई करें और डॉक्टर से संपर्क करें।

पेट की मामूली गैस भी बन सकती है कैंसर का संकेत, जाने शुरुआती लक्षण और बचाव के असरदार तरीके

कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है। भारत में भी कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कैंसर के कई प्रकार होते हैं और उन्हीं में से एक है पेट का कैंसर, जिसे गैस्ट्रिक कैंसर कहा जाता है। गैस्ट्रिक कैंसर पेट की अंदरूनी परत में होने वाली सूजन से जुड़ा होता है और यह आमतौर पर आंतों से संबंधित होता है। इस बीमारी के कई कारण और लक्षण हो सकते हैं जिन्हें जानना और समझना जरूरी है।

गैस्ट्रिक कैंसर क्या होता है?

डॉक्टरों के अनुसार गैस्ट्रिक कैंसर एक ऐसा प्रकार का कैंसर है जो अब युवाओं में भी तेजी से फैल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है हमारी गलत जीवनशैली (अनहेल्दी लाइफस्टाइल)। कम उम्र में ही शराब और सिगरेट की लत लगना युवाओं के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

गैस्ट्रिक कैंसर के प्रमुख कारण

धूम्रपान और तंबाकू का सेवनः जो लोग लंबे समय तक धूम्रपान या तंबाकू का सेवन करते हैं, उनके पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है। इससे कैंसर होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

गलत खानपान की आदतेंः बहुत ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड (डिब्बाबंद) खाना, और पैक्ड फूड्स का अधिक सेवन गैस्ट्रिक कैंसर की संभावना को बढ़ा सकता है।

पारिवारिक इतिहासः अगर आपके परिवार में किसी सदस्य को पहले गैस्ट्रिक कैंसर हो चुका है, तो आपको भी इस बीमारी का खतरा अधिक हो सकता है। यह बीमारी आनुवांशिक भी हो सकती है।

बार–बार गैस और अपच होनाः डॉक्टरों के अनुसार अगर आपको बार–बार गैस बनती है, या अपच की समस्या रहती है, तो यह एक शुरुआती संकेत हो सकता है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मेडिकल उपकरणों का असरः कुछ मेडिकल मशीनों से निकलने वाली किरणें (जैसे कुछ स्क्रीनिंग उपकरण) भी शरीर पर बुरा असर डाल सकती हैं। एक हालिया रिसर्च में बताया गया कि इनसे भी कैंसर का खतरा हो सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण

पेट में लगातार दर्द रहना

पेट में सूजन या फुलाव महसूस होना

भूख न लगना या भूख कम लगना

थोड़ा खाने पर भी पेट भर जाना

शरीर में खून की कमी (एनीमिया)

मल में खून आना या मल का रंग काला होना

इन लक्षणों को हल्के में न लें और समय रहते डॉक्टर से जांच करवाएं।

गैस्ट्रिक कैंसर से बचाव के उपाय

सही और संतुलित आहार लेंः फल, हरी सब्जियां और फाइबर से भरपूर भोजन का सेवन करें। ताजा और घर का बना खाना खाएं।

धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएः ये दोनों आदतें कैंसर के सबसे बड़े कारणों में से हैं। इनसे दूर रहना बहुत जरूरी है।

वजन को नियंत्रित रखेंः मोटापा भी कई बीमारियों की जड़ है, जिसमें कैंसर भी शामिल है। रोजाना थोड़ा–बहुत व्यायाम करें।

नियमित हेल्थ चेकअप कराएंः अगर आपके परिवार में किसी को कैंसर हो चुका है, तो आपको नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर करानी चाहिए।

शरीर के नए लक्षणों को नजरअंदाज न करेंः अगर शरीर में कोई नया लक्षण दिखे या कोई तकलीफ बार–बार हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर जांच और इलाज से गंभीर बीमारी को रोका जा सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर एक गंभीर लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो इसका इलाज संभव है। जरूरी है कि हम अपने खानपान, आदतों और जीवनशैली में सुधार करें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

चेहरे की खूबसरती बरकरार रखने में फायदेमंद हो सकती है फिटकरी, जानिए कैसे करें इस्तेमाल

चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए महिलाएं कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन गर्मियों में स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गर्म हवाओं की वजह से फेस पर अलग–अलग तरह की परेशानियां हो सकती हैं। जिससे महिलाएं परेशान हो जाती हैं। वहीं अगर आपको गर्मी के मौसम में स्किन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ रहा है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। दरअसल, आप घर पर ही अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकती हैं। चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए महिलाएं कई प्रयास करती हैं। गर्मी में छोटी–मोटी परेशानियां चेहरे की खूबसूरती को कम कर सकती हैं। आप इन समस्याओं से बचने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं फिटकरी भी फेस के लिए फायदेमंद हो सकती है।

फिटकरी से बनाएं टोनर

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो आप फिटकरी से टोनर भी बना सकती हैं। इसके लिए फिटकरी को एक कंटेनर में डाल दें। अब इसमें थोड़ा सा पानी डालकर कुछ देर के लिए रख दें। अब इस पानी को स्प्रे बॉटल में छानकर भर लें। फिर इस पानी से फेस पर स्प्रे करके इस्तेमाल करें। इसको फेस पर स्प्रे करने के बाद हल्के हाथों से मसाज करें।

ऐसे बनाएं फेस पैक

आप फिटकरी की सहायता से घर पर फेसपैक बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं। फेस पैक बनाने के लिए एक कंटेनर में सबसे पहले थोड़ा सा फिटकरी पाउडर लें। अब इसमें हनी मिक्स करें और राइस फ्लोर मिक्स करें। अब इसमें रोज वॉटर डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इस तरह से फेस पैक बनकर तैयार हो जाएगा।

संक्षिप्त

तुर्की ने किया था पाकिस्तान का समर्थन, अब पुणे के कारोबारियों ने कर दिया तुर्की के सेब बेचने का बहिष्कार

भारत और पाकिस्तान दोनों ही पड़ोसी देश संघर्ष विराम के बाद भी कई स्तर की बातचीत कर रहे है। भारत और पाकिस्तान के बीच जब तनाव जारी था उस समय कई देश पाकिस्तान के समर्थन में रहे वहीं कई देश भारत का साथ देते दिए। इसी बीच तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया था, जिसका खामियाजा अब तुर्की को भुगतना पड़ रहा है। भारत में कई जगहों पर तुर्की का बहिष्कार किए जाने की मांग हो रही है। इसी कड़ी में पुणे के व्यापारियों ने तुर्की के सेब खरीदने और बेचने का बहिष्कार किया है। अब तुर्की के सेब बाजार में नहीं दिख रहे है। स्थानीय लोगों ने भी व्यापारियों की इस मुहिम का समर्थन किया है। आम जनता भी तुर्की के सेबों की जगह दूसरे सेब की मांग कर रही है। देश में तुर्की के खिलाफ हो रहे इस बहिष्कार से पुणे के फल बाजार पर असर देखने को मिल रहा है। तुर्की के सेब से 1000 से 1200 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। कई व्यापारियों की मानें तो सिर्फ पैसों का ये मामला नहीं है। हमारी सेना और सरकार के साथ उनका समर्थन करने और उन्हें एकता दिखाने के लिए ये कदम उठाया गया है।

लोगों ने किया हिमाचल व उत्तराखंड के सेबों का रुख

वहीं अब तुर्की के सेबों की मांग कम होने के बाद लोग इन सेबों की मांग भी नहीं कर रहे है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि तुर्की से सेब खरीदना बंद करने का फैसला किया गया है। व्यापारी अब हिमाचल, उत्तराखंड, ईरान और दूसरे जगहों से सेब खरीदने को तरजीह दे रहे है। देश भक्ति दिखाने, देश हित के लिए ये फैसला किया गया है। एक स्थानीय फल व्यापारी ने नवभारत टाइम्स को बताया कि तुर्की के सेबों की मांग 50 फीसदी तक नीचे गिरी है। ग्राहक तुर्की के सेबों से दूर हो गए है। दुकानों में भी तुर्की के सेब का बहिष्कार किया जा रहा है। स्थानीय लोग इस मुहीम में साथ दे रहे है। लोगों का कहना है कि जब विकल्प मौजूद है तो तुर्की के सेब क्यों खरीदेंगे। तुर्की द्वारा पाकिस्तान को समर्थन किए जाने के बाद लोगो में काफी गुस्सा है। तुर्की में बने उत्पाद का लोग जमकर बहिष्कार कर रहे है। इससे तुर्की की अर्थव्यवस्था पर असर देखने को मिलेगा क्योंकि ये बहिष्कार भारत में हो रहा है जो कि एक बड़ा बाजार है। भारत ने तुर्की से सामान खरीदना बंद किया तो इससे तुर्की को नुकसान होगा।

रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर 85.05 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और सकारात्मक वृहद आर्थिक आंकड़ों के समर्थन से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपये पर दबाव पड़ सकता है। पिछले कुछ सत्रों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 66 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ सकता है। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की निकासी ने भी घरेलू मुद्रा की बढ़त को कुछ हद तक सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.05 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह डॉलर के मुकाबले 85.23 पर भी पहुंचा था। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर स्थिर रहा था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.95 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 250.80 अंक की बढ़त के साथ 81,399.02 अंक पर जबकि निफ्टी 58.45 अंक चढ़कर 24,636.80 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 476.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। गौरतलब है कि सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई। इससे भारतीय रिजर्व बैंक के लिए जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में एक और कटौती की पर्याप्त गुंजाइश बन गई है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति 3.16 प्रतिशत रही, जो जुलाई, 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। जुलाई, 2019 में यह 3.15 प्रतिशत थी। मार्च, 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति 3.34 प्रतिशत और अप्रैल, 2024 में 4.83 प्रतिशत थी।

ई-कामर्स प्लैटफॉर्म पर ना बिके पाकिस्तान के झंडे या अन्य सामान, लगाई जाए रोक

भारत के व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्र सरकार से खास मांग की है। पाकिस्तान के विरोध के बीच कैट ने सरकार से मांग की है कि ई कॉमर्स वेबसाइट पर पाकिस्तानी झंडे और संबंधित सामान बिक रहे है उन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और प्रहलाद जोशी से भारत में संचालित ई–कॉमर्स प्लेटफार्मों पर पाकिस्तानी झंडों और अन्य वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इस पत्र में कैट ने अपील की कि ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर पाकिस्तानी झंडे और सामान अब भी बिक रहे है। एक तरफ भारत ने अपने विरोधी के खिलाफ श्ऑपरेशन सिंदूरश शुरू किया है। सीएआईटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने मंत्री केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में कहा, ष्मैं एक ऐसे मामले पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करता हूं, जो हमारी राष्ट्रीय भावना और संप्रभुता के मूल पर प्रहार करता है। यह पता चला है कि पाकिस्तानी झंडे, लोगो वाले मग और टी–शर्ट अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे प्रमुख ई–कॉमर्स प्लेटफार्मों पर खुलेआम बेचे जा रहे हैं।

26 मई से पहले स्वदेश लौट जाएंगे दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी? डब्ल्यूटीसी फाइनल डाल सकता है खलल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाना है और इस कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के आईपीएल 2025 के शेष मैचों में खेलने पर संशय चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बयान दिया है और उनका कहना है कि आईपीएल में हिस्सा ले रहे राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी 26 मई तक स्वदेश लौट आएं।

टूर्नामेंट के आगे बढ़ने से हुई दिक्कत

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित किया था। बोर्ड ने हाल ही में इसका संशोधित कार्यक्रम जारी किया जिसके अनुसार टूर्नामेंट 17 मई से शुरू होगा और इसका फाइनल तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट आगे बढ़ने से टीमों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने में दिक्कतें आ रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के लिए है।

कोच ने स्पष्ट किया रुख

कोनराड ने आईपीएल का सत्र बढ़ने पर कहा, श्आईपीएल और बीसीसीआई के साथ शुरुआती समझौता यह था कि खिलाड़ी 25 मई को होने वाले फाइनल के बाद 26 मई को वापस लौटेंगे। हमारे दृष्टिकोण से कुछ भी नहीं बदला है, यही बातचीत चल रही है। जैसा कि अभी है, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी 26 तारीख तक वापस आ जाएं।श क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम घोषित कर दी है और माना जा रहा है कि सभी खिलाड़ियों को 31 मई तक इंग्लैंड पहुंचना है। आईपीएल में नहीं खेल रहे खिलाड़ी 30 मई तक पहुंचेंगे, जबकि आईपीएल में खेलने वाले खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी का साथ प्लेऑफ से पहले छोड़ना होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो आईपीएल में खेल रहे हैं। इनमें से सात खिलाड़ियों की टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, इनमें कॉर्बिन बॉश और रियान रिक्लेटन (मुंबई इंडियंस), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस), ट्रिस्टन स्टब्स (दिल्ली कैपिटल्स), एडेन मार्करम (लखनऊ सुपर जाएंट्स), मार्को यानसेन (पंजाब किंग्स), लुंगी एनगिडी (आरसीबी) और वियान मुल्डर (सनराइजर्स हैदराबाद) शामिल है।

खिलाड़ियों को नए सिरे से लेनी होगी एनओसी

इन खिलाड़ियों को शुरू में 25 मई तक आईपीएल में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया था, लेकिन टूर्नामेंट के आगे बढ़ने का मतलब है कि अब उन्हें उस तिथि से आगे जारी रखने के लिए नए सिरे से मंजूरी की आवश्यकता होगी। डब्ल्यूटीसी फाइनल की महत्ता को देखते हुए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा इन्हें एनओसी देने की संभावना नहीं है। आईपीएल फाइनल और डब्ल्यूटीसी फाइनल की शुरुआत के बीच सिर्फ आठ दिन का अंतर होने के कारण दक्षिण अफ्रीकी प्रबंधन थकान से बचने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने बड़े मुकाबले के लिए तैयारी का समय सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

वनडे में नंबर-1 बनने के करीब स्मृति मंधाना, लॉरा वोलवार्ट की जगह ले सकती हैं

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। दरअसल, वह इस रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। बता दें कि, श्रीलंका में हाल ही में खत्म हुए त्रिकोणीय सीरीज में भारत की खिताबी जीत में मंधाना ने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब उनकी नजरें नंबर वन पर बनी हुई हैं। पिछली बार 2019 में नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनीं मंधाना ने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न सीरीज की पांच पारियों में 264 रन बनाए। जिसके साथ ही वह इस सीरीज की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 101 गेंद में 116 रन की पारी खेलने वाली मंधाना शीर्ष पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट से सिर्फ 11 रेटिंग अंक पीछे हैं। वोलवार्ट त्रिकोणीय सीरीज में सिर्फ 86 रन बना पाईं। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने शीर्ष स्थान में अपनी जगह मजबूत की। वह त्रिकोणीय सीरीज में 139 रन बनाने के बाद दो स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं।

भारत की जेमिमा रोड्रिग्स (पांच स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्राइओन (नौ स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। इसके अलावा श्रीलंका में त्रिकोणीय सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई भारतीय स्पिनर स्नेह राणा को गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है जिसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोनशीर्ष पर चल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज नेदिन डि क्लर्क एक स्थान के फायदा से 24वें स्थान पर है।

त्रिकोणीय श्रृंखला में सिर्फ 14 की औसत से 15 विकेट चटकाने वाली स्नेह चार स्थान आगे बढ़कर 34वें पायदान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की ऐशले गार्डनर एकदिवसीय ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

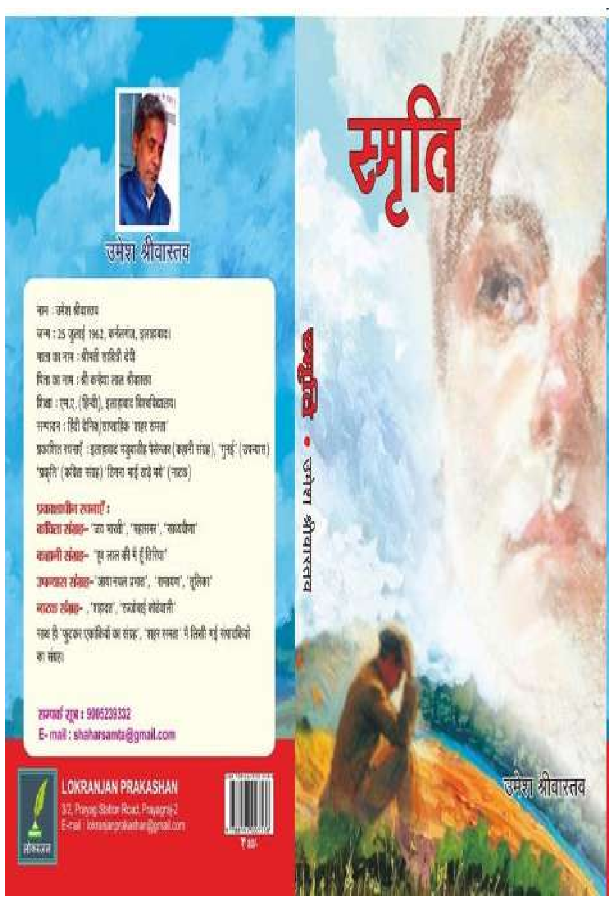

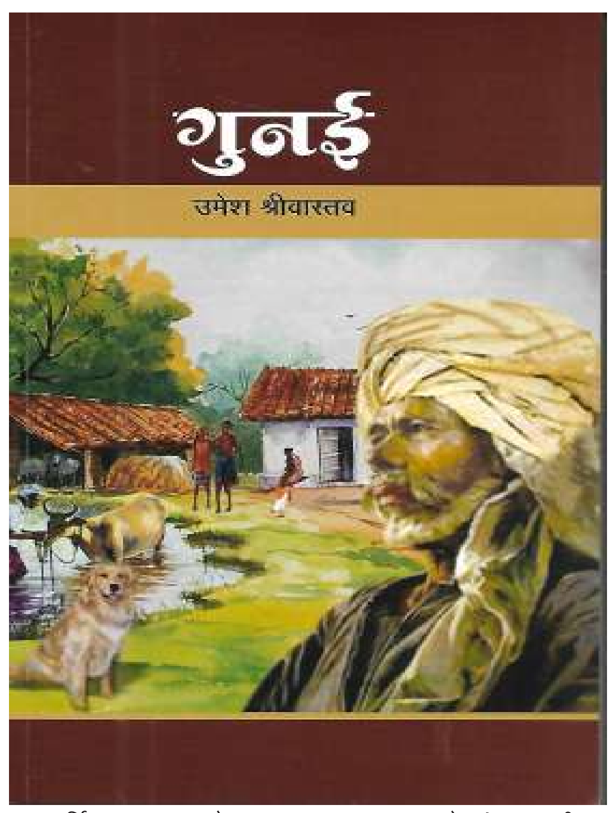

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

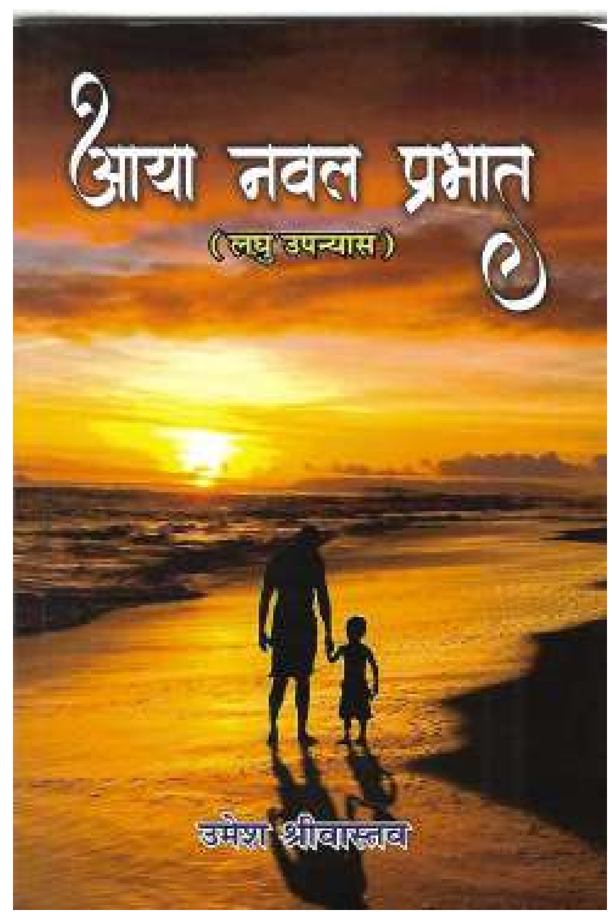

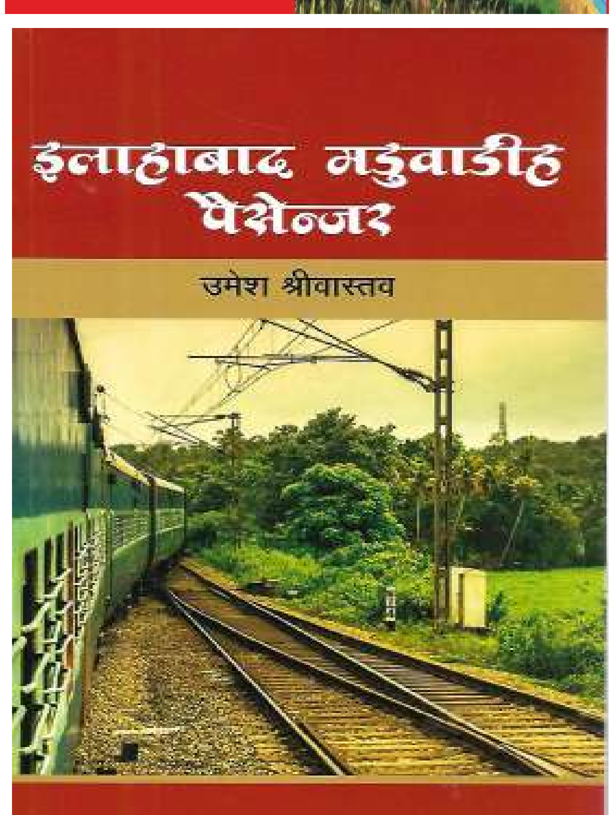

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

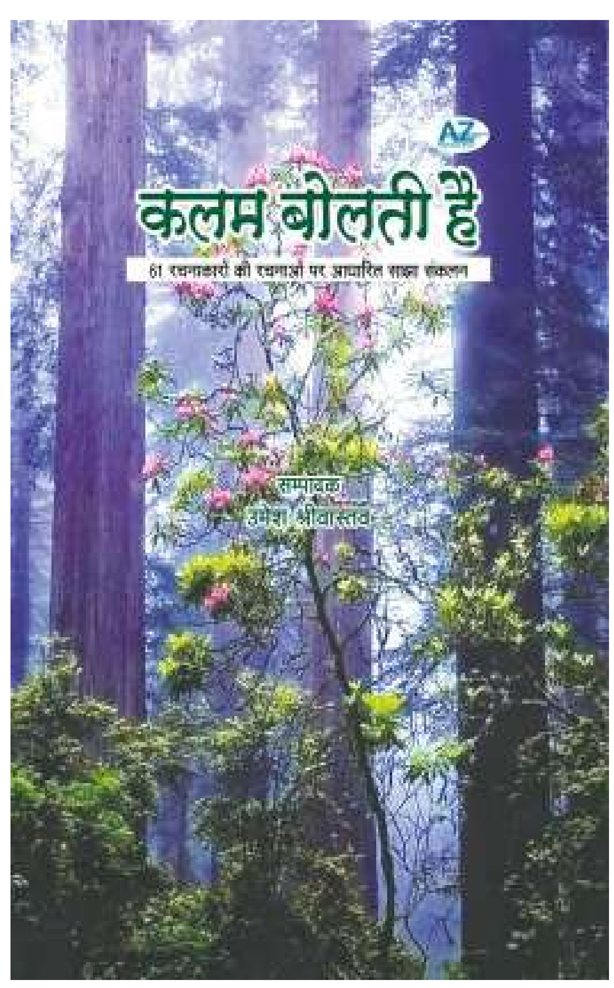

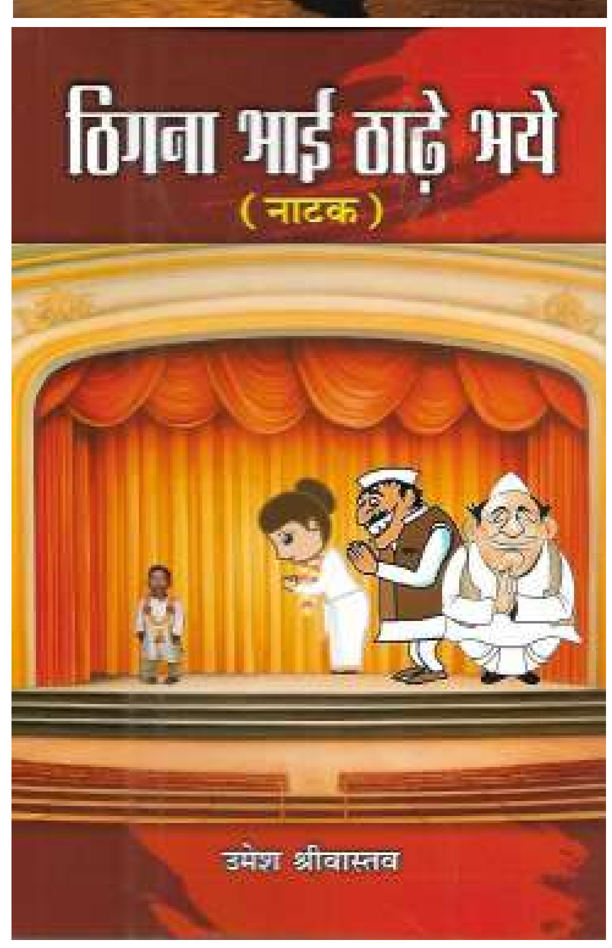

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

संरा में मानवीय मामलों के प्रमुख ने गाजा को सहायता देने से रोक को लेकर इजराइल की आलोचना की

संयुक्त राष्ट्र में मानवीय मामलों के शीर्ष अधिकारी ने इजराइल की आलोचना करते हुए उस पर ''जानबूझकर और बेशर्मी से'' फलस्तीनियों पर अकाल जैसी अमानवीय स्थितियां थोपने का मंगलवार को आरोप लगाया। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों से कहा कि इजराइल ने 10 सप्ताह से अधिक समय पहले गाजा में सभी मानवीय प्रकार की

सहायता को बाधित कर दिया जिसके कारण उनका काम ''बहुत मुश्किल'' हो गया है। फ्लेचर ने कहा, ''मैं आपसे एक पल के लिए यह सोचने को कहता हूं कि हम भविष्य की पीढ़ियों को क्या बताएंगे कि हमने 21वीं सदी के उस अत्याचार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जिसे हम गाजा में होते हर रोज देखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह सवाल हमसे हमेशा किया जाएगा।'' संयुक्त राष्ट्र में इजराइली मिशन ने फ्लेचर की टिप्पणियों के जवाब में कहा, ''इजराइल ऐसे किसी मानवीय तंत्र को स्वीकार नहीं करेगा जो उस हमास आतंकवादी संगठन को बढ़ावा देता हो जिसने हमारे लोगों की हत्या की।'' गाजा के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के निदेशक एंटोनी रेनार्ड ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि गाजा की एक चौथाई आबादी पर अकाल का खतरा है।

भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र की बहामास में मौत

अमेरिका में भारतीय मूल के एक छात्र की स्नातक की पढ़ाई पूरी होने से कुछ दिन पहले बहामास में होटल की बालकनी से दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। गौरव जयसिंह मैसाचुसेट्स के वाल्थम स्थित बेंटले विश्वविद्यालय का छात्र था और कॉलेज के छात्रों के साथ प्रति वर्ष होने वाली यात्रा (ट्रिप) के लिए बहामास गया था। इसी दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। जयसिंह की इस सप्ताह के अंत में स्नातक की पढ़ाई पूरी होने वाली थी। बेंटले विश्वविद्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं और हमारा समुदाय गौरव जयसिंह (25) की मौत से बहुत दुखी है। हमारी संवेदनाएं गौरव के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हम 17 मई को होने वाले स्नातक दीक्षांत समारोह में गौरव को सम्मानित करने की योजना बना रहे हैं।'' 'एबीसी न्यूज' की एक रिपोर्ट के अनुसार बेंटले विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा, ''गौरव के परिवार, दोस्तों और प्रियजन के साथ हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। स्थानीय अधिकारी जांच कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि गौरव बालकनी से दुर्घटनावश गिर गया।'' इसमें कहा गया, ''हम उसके परिवार की निजता का सम्मान करते हुए संबंधित जानकारी साझा करेंगे। यह हमारे समुदाय के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है...।'' 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्ट में कहा गया है कि जयसिंह मैसाचुसेट्स के श्रूजबरी का मूल निवासी था और डेल्टा सिग्मा पाई बिरादरी के साथ–साथ संस्थान के दक्षिण एशियाई छात्र संघ का सदस्य भी था। 'रॉयल बहामास पुलिस' बल ने एक बयान में कहा कि 11 मई को पुलिस ने 'पैराडाइज आइलैंड' पर एक पुरुष की मौत के मामले की जांच शुरू की। शुरुआती खबरों के अनुसार पुलिस ने कहा कि रात 10 बजे के आसपास छात्र होटल के अपने कमरे में अन्य छात्रों के साथ था। उसने बताया कि वह बालकनी से शायद दुर्घटनावश गिर गया और निचले तल पर अचेत अवस्था में पाया गया। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जांच जारी है।

पाकिस्तान के बाद अब आका चीन के प्रोपेगैंडा पर भारत का प्रहार, ग्लोबल टाइम्स का 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक

चीनी सरकारी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स का एक्स अकाउंट भारत में बंद कर दिया गया है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र माना जाता है। भारत में यूजर्स द्वारा इसके एक्स पेज को ओपन करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्हें ग्लोबल टाइम्स का अकाउंट भारत में कानूनी मांग के जवाब में बंद कर दिया गया है जैसा मैसेज स्कीन पर लिखा नजर आ रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर की कवरेज के बाद भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया था। भारत ने एक चीनी मीडिया आउटलेट की कड़ी आलोचना की थी और उसे गलत सूचना फैलाने से पहले तथ्यों को सत्यापित करने और स्रोतों की जांच करने के लिए कहा था। यह प्रतिक्रिया ग्लोबल टाइम्स द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आई थी जिसमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने पाकिस्तान में कई ठिकानों पर रात भर भारतीय हवाई हमलों के जवाब में एक और भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ड्रोन से ही नहीं की मदद बल्कि सहायता के लिए अपने सैन्य कर्मियों को भी भेजा इस्लामाबाद, पाकिस्तान के बाद अब तुर्की का इलाज करेगा भारत

बहुत याराना लगता नहीं है, बल्कि बहुत यारान है। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए झगड़े ने एक बात साफ कर दी कि पाकिस्तान के बाद अगर भारत का दुनिया में कोई सबसे बुरा चाह सकता है तो वो सिर्फ और सिर्फ तुर्की है। चीन भी पाकिस्तान का समर्थन करता है। लेकिन इतना खुलकर और इतने कड़वेपन के साथ चीन उस नफरत को बयां नहीं करता। लेकिन तुर्की ने तो सारी हदें पार कर दी है। तुर्की ने न केवल पाकिस्तान को ड्रोन से मदद की, बल्कि भारत के खिलाफ ड्रोन हमलों में सहायता के लिए इस्लामाबाद में सैन्य कर्मियों को भी भेजा। ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की के दो सैन्यकर्मी भी मारे गए। सूत्रों ने आगे बताया कि इस्तांबुल ने भारत के साथ पाकिस्तान के चार दिवसीय संघर्ष में इस्लामाबाद को 350 से अधिक ड्रोन की आपूर्ति की है। लेकिन इसका खुलासा पाकिस्तान द्वारा नहीं किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भारत पर ड्रोन हमलों के समन्वय में मदद की थी। पाकिस्तान ने कथित तौर पर भारत के खिलाफ़ बायरकटर टीबी2 और वाईआईएचए ड्रोन का इस्तेमाल किया है। माना जाता है कि ड्रोन का इस्तेमाल लक्ष्य निर्धारण और संभावित रूप से कामिकेज़ हमलों के लिए किया जाता है, खासकर अग्रिम भारतीय ठिकानों या आपूर्ति काफिलों को ख़तरे में डालने के लिए। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ तुर्की के सामरिक रक्षा संबंध ख़तरनाक दर से बढ़े हैं। तुर्की सरकार ने न केवल महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति की है, बल्कि पाकिस्तान की सेना के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित किया है। तुर्की के रूख पर गौर करेंगे तो उनके कट्टरपंथी तानाशाह एर्दोगान के ट्वीट से साफ पता चल जाएगा। भारत के साथ झगड़े में तुर्की फ्रंट पर आकर खड़ा है। भारत तुर्की को भी झेल लेगा और उससे भी भिड़ जाएगा, इसमें कोई शक नहीं है। तुर्की को लगा कि वो पाकिस्तान के साथ समर्थन बढ़ाएगा तो उसे बड़ा फायदा होगा। पाकिस्तान जंग जीत जाएगा और भारत को नुकसान होगा। प्रोपोगैंडा फैलाने वाले आगे बढ़कर इसे भुना लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत की जवाबी कार्रवाई ने पाकिस्तान को केवल तीन दिनों में पस्त कर दिया और तुर्की भी भाग खड़ा हुआ। लेकिन फिर भी तुर्की को लगता है कि वो बार बार मध्यस्थता की बात करके और शांति समझौते की बात कहकर इस बात को छुपा लेगा कि पाकिस्तान को उसने खुले तौर पर हथियार भेजे व खुले तौर पर समर्थन किया तो ये गलत है। पूरा हिंदुस्तान ये जानता है कि तुर्की ने क्या किया। अपना समर्थन जिस तरह से पाकिस्तान को दिया और भारत द्वारा आतंकवाद पर की गई स्ट्राइक का तुर्की ने जैसे विरोध किया है। अभ उसके बाद तुर्की को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। तुर्की के खिलाफ इस वक्त भारत में जबरदस्त आक्रोश है। जो लोग इंस्ताबुल या तुर्की घूमने के लिए जाते हैं उन्होंने अपनी फ्लाइट्स कैंसिल कर ली हैं और तुर्क नहीं जाने का फैसला किया।

गाजा में इस्राइल ने किए ताबड़तोड़ हवाई हमले; 60 लोगों की मौत, इसमें 22 बच्चे भी शामिल

देर अल–बलाह (गाजा पट्टी)। इस्राइल ने गाजा पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। मंगलवार रात और बुधवार सुबह इस्राइल ने उत्तरी गाजा में ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इस दौरान कम से कम 22 बच्चे मारे गए। जबलिया में इंडोनेशियाई अस्पताल ने बताया कि हमलों में कुल मिलाकर 60 लोगों की मौत हुई है। हमला अमेरिका की मध्यस्थता में हमास की ओर से एक इस्राइली–अमेरिकी बंधक को रिहा करने के एक दिन बाद हुआ। बड़ी बात यह भी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वक्त सऊदी अरब का दौरा कर रहे हैं।

युद्ध विराम की उम्मीदें धूमिल

मंगलवार को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे इस्राइल गाजा में अपना युद्ध रोक सके। इससे युद्ध विराम की उम्मीदें धूमिल हो गईं। हालांकि, इस्राइली सेना ने हमलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस बीच हमास के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए कार्रवाई शुरू करने से पहले मंगलवार देर रात जबलिया के निवासियों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी गई।

हमास का खात्मा होकर रहेगा

इससे पहले मंगलवार को नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी बयानों में प्रधानमंत्री के हवाले से कहा गया कि इस्राइली सेनाएं वादा किए गए बल वृद्धि से बस कुछ ही दिन दूर हैं और वे मिशन को पूरा करने के लिए बड़ी ताकत के साथ गाजा में प्रवेश करेंगे। इसका मतलब है– हमास का खात्मा होकर रहेगा।

कैसे शुरू हुआ गाजा युद्ध?

गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ, जब हमास के नेतृत्व वाले चरमपंथियों ने 2023 में दक्षिणी इस्राइल पर मिसाइलों की बारिश कर दी थी। लड़ाकों ने इस्राइल में घुसपैठ करके 1,200 लोगों को मार डाला। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस्राइल के जवाबी हमले में 52,800 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से कई महिलाएं और बच्चे हैं। इस्राइल के हमले ने गाजा के शहरी परिदृश्य के बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया है और 90: आबादी को विस्थापित कर दिया है।

हमले से 1 महीने पहले से ही मुनीर खरीद रहे थे पहलगाम की सैटेलाइट इमेज

अमेरिका के खुलासे से फंसा पाकिस्तान

पहलगाम में जब हमला हुआ उससे पहले वहां की सैटेलाइट तस्वीरें पाकिस्तान ने खरीदी थी। सैटेलाइट इमेज बेचने वाली कंपनी मैक्सर से पाकिस्तानी फर्म बीएसआई ने ये तस्वीरें खरीदी और उसके बाद किस तरह से पहगलाम में हमला करने की साजिश रची गई। भारत के मीडिया संस्थान द प्रिंट ने पहलगाम हमले और उसके बाद के घटित घटनाक्रम को लेकर बहुत बड़े खुलासे किए हैं। दरअसल, अमेरिका की एक कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी भू स्थानिक फर्म है। वो सैटेलाइट इमेज कैप्चर करती है। उसके पास रियल टाइम इमेज होता है। वहीं बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) र कंपनी है। ये पाकिस्तानी कंपनी है। पहलगाम हमले के कुछ दिनों पहले अचानक पाकिस्तान की बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने अमेरिका की कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर पहलगाम की सैटेलाइट इमेज का ऑर्डर दिया। लगातार जब तक ये घटना घटी नहीं यानी 1 तारीख तक रोजाना बीएसआई

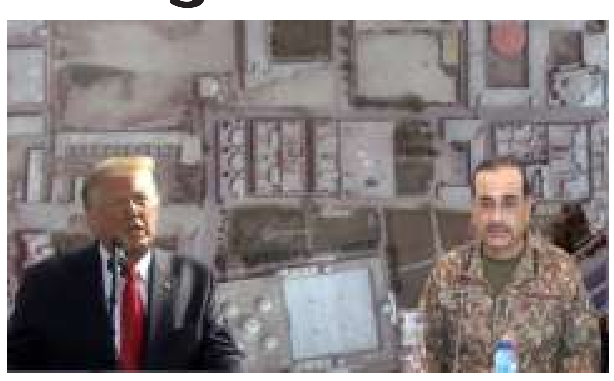

प्राइवेट लिमिटेड ने मैक्सार टेक्नोलॉजी से वो मेज मंगाते रहे। ये बीएसआई कंपनी का मालिक अब्दुल्ला सैय्यद है। सैय्यद पाकिस्तान के परमाणु हथियार कार्यक्रम में सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। 2020 में अमेरिका ने बीएसआई की जांच की थी। होमलैंड सिक्योरिटी ने तब पाया कि अब्दुल्ला सैय्यद के पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय और एनडीसी व परमाणु ऊर्जा आयोग से सीधे संबंध रहे हैं। वहां के कोर्ट ने बकायदा इस कंपनी को अमेरिका में बैन कर रखा है। 2020 में अमेरिकन कोर्ट इस पर बैन लगाता है। फिर अब्दुल्ला सैय्यद दूसरी कंपनी बनाकर 2023 में मेक्सार टेक्नोलॉजी के साथ फिर से पार्टनरशिप कर लेता है। बड़ा खुलासा ये है कि अब्दुल्ला सैय्यद पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय के सीधे संपर्क में था। मैक्सार टेक्नोलॉजी से इसने जो सारे सैटेलाइट इमेज खरीदे वो पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय को सुपुर्द किए हैं। रिपोर्ट में इसके एवज में पैसे के ट्रांजक्शन के भी सबूत हैं। मतलब साफ है कि पहलगाम का हमला पाकिस्तानी आर्मी ने बकायदा प्लान किया। सैटेलाइट इमेट पाकिस्तानी आर्मी को मिले। पहलगाम के लगातार 21 दिनों तक रियल टाइम इमेज वहां की आर्मी स्टडी करती रही। जिस दिन हमला हुआ यानी 22 अप्रैल को तो 21 अप्रैल से ही वो ऑर्डर बंद हो जाता है। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मैक्सार ने अपने पार्टनर पेज से बीएसआई को हटा दिया और इस बात से इनकार किया कि बीएसआई ने पहलगाम की तस्वीरें मंगवाई थीं। समाचार एजेंसी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मैक्सार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि बीएसआई को पार्टनर के रूप में सूचीबद्ध करने से पहले कोई उचित जांच–पड़ताल की गई थी या साझेदारी औपचारिक रूप से खत्म हो गई है। सैयद को 2022 में अमेरिकी निर्यात कानूनों का उल्लंघन करने के लिए जेल भेजा गया था, उनकी कंपनी ठैप् को बाद में कोलोराडो में स्थित शीर्ष उपग्रह इमेजरी फर्मों में से एक मैक्सार टेक्नोलॉजीज के भागीदार के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। यह चिंताजनक है क्योंकि, मैक्सार भागीदार बनने के बाद, ठैप् के पोर्टल ने कश्मीर के पहलगाम की उपग्रह छवियों का ऑर्डर देने में अचानक रुचि दिखाई। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह 22 अप्रैल, 2025 को वहां हुए आतंकी हमले से ठीक दो महीने पहले की बात है जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

हमारी ट्रेनिंग का अभिन्न अंग है इस्लाम, हमारा काम है जिहाद,

पाकिस्तानी सेना के DG ISPR का खतरनाक वीडियो वायरल

पाकिस्तानी सेना के महानिदेशक इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (डीजी–आईएसपीआर) लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने मीडिया को बताया कि इस्लाम न केवल व्यक्तिगत सैनिकों के विश्वास के लिए आवश्यक है, बल्कि सेना के प्रशिक्षण का भी एक अभिन्न अंग है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता से ऑपरेशन 'बुनियानम मारसूस' के बारे में पूछा गया था, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया जवाबी अभियान था। अपने जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि इस्लाम पाकिस्तानी सेना के प्रशिक्षण का हिस्सा है, न कि उनकी निजी मान्यताओं का।

यह हमारे धर्म का हिस्सा है। ईमान, तक़वा, जिहाद फ़ि सबीलिल्लाह (ईमान, धर्मपरायणता, ईश्वर के नाम पर संघर्ष) यही हमें प्रेरित करता है, यही हमारा आदर्श वाक्य है। हमारे पास एक सेना प्रमुख है जो आस्था रखता है और नेतृत्व का विश्वास और प्रतिबद्धता ऐसे अभियानों में परिलक्षित होती है। पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल जिया–उल–हक के शासन में पाकिस्तानी सेना का आदर्श वाक्य मुहम्मद अली जिन्ना के श्इत्तेहाद, यक़ीन, तंज़ीम (एकता, आस्था, अनुशासन)श से बदलकर श्ईमान, तक़वा, जिहाद फ़ि सबीलिल्लाहश कर दिया गया। यह आदर्श वाक्य जो अक्सर जिहादी प्रवचन से जुड़ा होता है, अतीत में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा भी दोहराया गया है। ऑपरेशन का नाम आपको बताता है कि जो लोग अल्लाह की राह पर लड़ते हैं वे स्टील की दीवार की तरह होते हैं। हम अल्लाह और पाकिस्तान के लोगों और उसके मीडिया का शुक्रिया अदा करते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ हाल ही में सुर्खियों में तब आए जब उनके पिता सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद के ओसामा बिन लादेन से संबंध होने की खबरें सामने आईं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, महमूद एक पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिक थे, जो 9/11 से कुछ समय पहले बिन लादेन से मिलने के लिए अफगानिस्तान गए थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सीआईए और एफबीआई ने भी उनसे पूछताछ की थी। दूसरी ओर, वायु सेना संचालन महानिदेशक एयर मार्शल एके भारती ने भारत की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए रामचरितमानस की एक चौपाई का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि धैर्य के बाद क्रोध आता है।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक को 'अवांछित व्यक्ति' घोषित किया, 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने को कहा

पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य पर विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए उन्हें ''अवांछित व्यक्ति'' घोषित कर दिया। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में यह भी कहा गया कि संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया, ''पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है।'' बयान में कहा गया भारतीय उच्चायुक्त को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया तथा इस निर्णय से अवगत कराया गया।

सोशल मीडिया पोस्ट करना ब्रिटिश बैंक विश्लेषक को पड़ा महंगा, सऊदी में मिली एक दशक की जेल की सजा

दुबई। सऊदी अरब में एक शख्स को एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एक दशक की सजा मिली है। बता दें कि, ब्रिटिश बैंकर अहमद अल–दौश, को सऊदी अरब में दस साल की सजा सुनाई गई है। उनका परिवार मानता है कि यह सजा 2018 में किए गए एक ट्वीट के कारण हुई, जिसमें सऊदी अरब का नाम नहीं था, लेकिन वह सूडान के बारे में था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।